रजिस्ट्री सं० डी-(डी)78

REGISTERED, NO. B (B) -78

HRCI की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 15, 1978 (आषाढ़ 24, 1900)

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 15, 1978, (ASADHA 24, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रह्या जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खाग्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लाक श्वा ग्रायाग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 12 जून 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II.—सघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना स० II ए० 12019/1/75-प्रशा०-II दिनांक 5-6-1978 का आंशिक संगोधन करते हुए, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा स्थायी अधीक्षक (हण्ल०) व तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक नियंत्रक (तथ्य ससाधन) श्री एम० एल० धवन को उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर 12 जून, 1978 से 11 सितम्बर, 1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप हो कार्य करने के लिये नियुक्त करने हैं।

प्रा० ना० मुखर्जी, उप मचित्र, कृते प्रध्यक्ष, इते लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1978

स० ए० 32011/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा ग्रायोग के सवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (कें० स० स्टें० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को जिन्हें समसंख्यक श्रादेफ विनीक 13-3-78 ब्रारा 31-5-78 तक पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर विष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति श्रीरा 1-6-78 से 31-8-78 तक तीन मोह की ग्रीरिक्त श्रवध के लिए ग्रथवा ग्रागमी ग्रादेश तव, जो भी पहले हो, उसी हैसियत में पूर्णतः ग्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 जन 1978

सं ा ा 32014/1/78-प्रणा III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधिसूचना दिनांक 11-5-78 के श्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्रार के जमूजा को, राष्ट्रपति द्वारा

18-6-78 पे 15-7-78 तक की ग्रितिश्वत श्रवधि वें लिए, अथवा ग्रागामी श्रावेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप तें कार्य करने के लिए नियुवत किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 11-5-78 के ग्रनुत्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० एन० शर्मा कों, राष्ट्रपति द्वारा 18-6-78 से 7-7-78 तक की ग्रातिरिक्त ग्रविध के लिए, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रिधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने वे लिए नियुक्त किया गया है।

सं० 32014/1/78-प्रशा० III(3)--- इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 11-5-78 के श्रनुत्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय हेवा स्वरं वे स्थायी सहायक श्री जय नारायण को, राष्ट्रपति द्वारा 17-८-78 में 7-7-78 तक की श्रातिरिक्त अविधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी, उप सचिव, (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

सं० 38 ग्रांचिक मी० टी० 7—केन्द्रीय सतकता ग्रायुक्त एतद्ग्राचा श्री एन० एल० लखनपाल, ग्राई० ए० एस०, को केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग में दिनाक 14-6-78 (पूर्वाह्म) से ग्राग्ले ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से उप सचिव (प्रशिक्षण) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जून 197**8**

सं० 67 म्रार० सी० टी० 22 केन्द्रीय सतर्कता म्रायुक्त एतद्द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक म्राभयन्ता, श्री एच० डी० सूद, को केन्द्रीय सतर्कता म्रायोग में 7 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से म्रागामी म्रादेश तक, स्थाना पन्न रूप से महायक तकनोको परोक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1978

सं० 76 श्रार० सी० टी० 38---श्री एस० एस० गर्ग, केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग के स्थाई निजी सहायक, जिसे श्रायोग की श्रिधसूचना सं० 1/6/76-प्रशासन दिनांक 25-8-76 द्वारा वरिष्ठ निजी सहायक स्थानीपन्न रूप से नियुक्त किया गया

था 15 स्रकेल, 1978 (ग्रयराह्म) से निजी सहायक प्रति-यनिन हो गये।

> श्री निवास, ग्रवर सचिष, कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1978

मं० एम-82/67-प्रशा० 5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० सी० माधुर, तकतीकी अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 9-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न तकनीकी सलाहकार (लेखा एवं आयकर), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1978

सं० के-9/71-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्ते प्रव ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, ग्रपने प्रसाद से श्री के० एन० शर्मा, लोक श्रभियोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19-5-78 के पूर्वाह्म से श्री के० शौर्याह, वरिष्ठ लोक-श्रभियोजक जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर दिनांक 19-5-78 से दिनांक 2-7-78 तक 45 दिन की श्रवधि के लिए यरिष्ठ लोक श्रभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1978

सं० ए०-19021/8/78-प्रशासन-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० कैन, भारतीय पुलिस सेवा (1970-यू० टी०) को दिनांक 12-6-78 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्धेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्ष्मि के रूप में नियुक्त करते हैं। के० के० पुरी, उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

म ग्रानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 जुन 1978

सं० ग्रे० दो० 985/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी, डाक्टर पी० नगेन्द्र राव, प्रथम बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल, का त्यागपत्न दिनांक 12-5-78 ग्रागराह्म से स्वीकृत कर लिया।

> ए० के० बन्दोना**ठ**पाय सहायक निदेशक (प्रशासन)

मह। निरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-24, दिनांक 22 जून 1978

सं० इ० 16014(2)/1/78-कार्मिक- सीमा सुरक्षा बल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० एस०

11

राना ने 21 जून, 1978 के पूर्वाह्म से कें श्री० सु० बल प्रशिक्षण रिजर्व सं० 1/2 के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

> श्रार० सी० गोपाल, महानिरीक्षक

विता मंद्रालय

(ग्राधिक कार्य विभाग) बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 जुन 1978

सं० बी एनपी सी/5/78—श्री ए० एस० हटकर स्थायी किनष्ठ पर्यवेक्षक (न्यमरोटा) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी श्रिधिकारी (मुद्रण एव प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपित्तत) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के बास्ते श्रथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने भ्रथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रवत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

दिनांक 18 जून 1978

सं० बी एन पी/सी०/5/78—श्री एम० लक्ष्मी-नारायणा स्थाई नियंत्रण निरीक्षक को तदर्थ श्राधार पर बैंक नोट मुद्रणालय में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 9 जून, 1978 से 3 माह की श्रवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी इनमें से पहले हो उप-नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक

भारत का नियंत्रक श्रौर महालेखा परोक्षक का कार्यालय महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक बंगलौर, दिनांक 9 जून 1978

सं० स्था० । /ए० 4/78-79/169— महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई/स्थापन्न ग्रनुभाग ग्रिधि-कारियों को उसके विरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, ग्रमले श्रादेश जारी होने तक, लेखा ग्रिधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल श्रस्थाई रूप से पदोन्नत करते हैं:—

- 1. श्री ग्रार० पोन्नूस्वामी
- 2. श्री के० बी० सुब्बाराव

एम० ए० सौन्दरराजन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार बिहार का कार्यालय (स्थानीय ग्रंकेक्षण विभाग)

रांबी-834002, दिनांक 22 जून 1978

सं० एल० ए० एडिमन-I स्थापना I-1591-महालेखा-कार बिहार रांची श्रपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण प्रणाखा के स्थाई श्रनुभागाधिकारी (अंकेक्षण) श्री कौणल किशोर प्रसाद को दिनांक 19-6-1978 श्रपराह्म से ग्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक बिहार के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

> बुध लाल बोईपाई, स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनांक 23 जून 1978

सं० प्रशासन-1/1038-15/1086—महालेखाकार १६ वं पिष्चम बंगाल ने निम्निलिखित स्थाई अनुभाग श्रिधकारियों को अस्थायी श्रीर स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर निम्निलिखित तिथि या उनके बारा लेखा अधिकारी के रूप में कार्यालय महालेखाकार—केन्द्रीय में वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में से जो बाद में पड़े, से अन्य आदेश निकलने तक बहाली करने की कृपा की हैं:—

सर्वश्री

(1)	रंजीत कुमार लस्कर	17-6-78	पूर्वाह्न से
(2)	निलनी रंजन राय	17-6-78	**
(3)	विभूति भूषण श्राइच	17-6-78	,,
(4)	गौर दास साहा	17-6-78	,,
(5)	समीर सेन रायचौधुरी	17-6-78	11
(6)	विश्वम्भर नाथ	17-6-78	11
(7)	बी० जी० राय	17-6-78) 1
(8)	एस० एन० चौधुरी	17 - 6-78	17
(9)	भ्रार० सी० हाल्दार	17-6-78	11
(10)	भ्रमल कृष्ण राय	17-6-78	11

लेखा श्रधिकारियों के परस्परिक वरिष्ठता की घोषणा यथा समय की जायगी।

> पी० के० बन्धोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०) पश्चिम बंगाल

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे बम्बई, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस ए/एचक्यू/प्रशासन/पी सी/1874—श्री जे० के० दास, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी को भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथिक की केन्द्रीय श्रनुसन्धान परिषद में स्थाई समावेश दिनांक 24 दिसम्बर, 1976 (ग्रपराह्म) से किये जाने पर वे सरकार की सेवा से उस तिथि से सेवा निवृत्त हुए समझे जाते हैं।

> भ्र० ना० बिस्यास, मुख्य लेखा परीक्षक, पश्चिम रेलवे

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 23 जून 1978

सं० 68012-ए (4)/77-प्रणा० II— राष्ट्रपति सहर्ष निम्न-लिखित स्थायी लेखा ग्रधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान स्थानापन्न रूप से उनके सामने दर्शायी गई तारीख से अगले ग्रादेण पर्यन्त, नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदान्नित की तारीख
	श्री वी० पी० जैन श्री एम० एच० सुक्रमण्यम	29-5-1978 (पूर्वाह्न) 27-5-1978 (पूर्वाह्न)

सं० 86016(15)/77/प्रशा० II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्राफ्सर श्री ए० ग्रार० हलास्यम, को उसी सेवा के किनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000) में दिनाक 19 जून, 1978 पूर्वाह्म से ग्राप्ते श्रादेश पर्यन्त तक स्थानापन्त रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

वी० एस० भीर रक्षा लेखा ग्रपर महा नियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां डी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय मिविल सेवा

कलकत्ता, दिनाक 13 जून 1978

सं० 13/78/ए०/ई०-I—-डी० जी० ग्री० एफ० निम्न-लिखित स्थायो सहायकों को, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, स्थानापन्न महायक स्टाफ अफसर (ग्रुप 'ख' राजपितत) के रूप में प्रस्थेन के सामने दर्शाई गई तारीखों से ग्रागामी ग्रादेश न होने तक, पदोन्नति करते हैं—-

श्री सुकुमार दास गुप्त

1-5-78

2 श्री कनई लाल दास

1-5-78

3. श्री पन्ना लाल दास

1-5-78

डी० पी० **चऋवतीं** सहायक महानिदेशक ग्रा० फैक्ट०/प्रशासन-2 **कृते** महानिदेशक, ग्रार्डनेटम, फक्टरियां वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

> मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978 श्रायात निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/439/56-प्रशासन (राज)/4358—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के स्थानापन्न ग्रधिकारी, श्री तख्त राम को 1 मई, 1978 के बह्नि से 3 माह की ग्रवधि के लिये इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्यं करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, भ्रायत I निर्यात

धारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली, दिनाक ! जुलाई 1978

म_{ें हैं} 14/7/78-एम० (पर्यटन)—बाल कृष्ण थापर, स्रपर महानिदेशक, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल स्र र प्राक्षिष नियमावली 1959 के नियम 6 के स्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूं कि सम्बाट शाहजहां के वार्षिक 'जर्म' समारोह के उपलक्ष्य में निस्नलिखित विना में स्नागर के नाजमहल, में प्रदेश पाने के लिए कोई गुन्क नहीं लिया जाएगा।

- (1) 2-7-78 को 4.00 बजे श्रपराह्न से 1.00 राबि तक
- (2) अ-,-7° को 2 00 बर्ज अपराह्म से 4 00 प्रातः तक
- (3) 4-7-78 को छ. ०० बजे पूर्विह्न से ४ ०० प्रात. तक

बाल कृष्ण थापर. स्रपर महानिदेशक

सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1978

सं० ए० 12026/11/78-प्रशासन 1—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जे० एन० श्रंडेलजा ग्राटिस्ट को 31-5-78 से 15-7-78 तक के लिए श्रवकाश प्रदान किये जाने पर उनके स्थान पर स्थाई उत्पादन सहायक श्री बी० सी० मंडल, को इस विभाग में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में ग्राटिस्ट नियुक्त करते हैं।

2. यह नियुक्ति तद्दर्थ ग्राधार पर है ग्रीर इससे श्री मंडल को ग्राटिंस्ट ग्रेड में नियमित नियुक्ति का कोई ग्रिधि-कार प्राप्त नहीं होगा। उनकी यह सेवा उस ग्रेड में बरीयता के लिए नहीं गिनी जायेंगी।

> इन्द्रराज सिह, उप-निदेशक (प्रशासन) **इते** निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनाँक 22 जून 1978

स० ए० 38012/1/78-स्टोर I—सेवा निवृत्ति की ग्रायु के हो जाने पर श्री के० गगय्या, उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर) सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपु, मद्रास, 31 मई, 1978 श्रपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

स० ए० 38013/2/78-स्टोर-1—सेवा निवृत्ति की भ्राय के हो जाने पर सहायक डीपु प्रबन्धक (ग्रुप बी० राज-पितत), सरकारी चिकित्सा स्टोर डिपु मद्रास के सर्वेश्री पी० जी० श्रीनिवासलु तथा एम० मुनुस्वामी 31 मई, 1978 भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सगत सिह उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनाक 23 जून 1978

स० 12023/1/77-बी० सी० जी०/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एन० रामासुक्रमणी को 9 जून, 1978 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशो तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिन्डी, मद्रास मे प्रशासन अधिकारी के श्रस्थाई पद पर नियुक्त किया है।

स० ए० 31014/7/77-ए० आई० आई० पी० एन० आर०/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती एन० ए० केलकर को 10 श्रगस्त, 1978 से श्रखिल भारतीय शारीरिक आय्विज्ञान श्रीर पुनर्वास संस्थान, बस्बई के चिकित्सा समाज परक-कार्य विभाग में मुख्य अधिकारी के पद पर स्थायी पर नियुक्त किया है।

दिनाँक 26 जून 1978

स० ए० 12025/47/76-(बी० सी० जी०)/प्रणासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्री ग्राई० शमीम ग्रहमद को 3 जून, 1978 पूर्वाह्म से ग्रागामी भादेशो तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिडी, मद्रास में रेफीजरेशन इजीनियर के भ्रस्थायी पद पर नियुक्त किया है।

स० ए० 23014/1/78-(सी० म्रार० म्राई०) प्रशासन-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० सी० शान्डिलय को 1 भ्रप्रैल, 1978 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय ग्रनुसन्धान संस्थान, कसौली में स्टोर श्रिधकारी के ग्रस्थायी पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन (स० व प०)

कृषि ग्रौर सिचाई मत्नालय (ग्राम विकास विभाग)

विपणन एव निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनाक 22 जून 1978

स० ए० 19023/52/78-ए० III---सघ लोक नेवा ग्रायोग की सस्तुतियों के ग्रनुसार श्री एच० पी० सिह, सहायक विषणन श्रधिकारी को दिनाक 27 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से ध्रगले आदेश जारी होने तक नागपुर में स्थानापन्न विषणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2 विपणन ग्रधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री सिंह ने दिनाक 27-5-78 के पूर्वाह्न में नागपुर में सहायक विपणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> वेद प्रकाश चावला, निदेशक (प्रशासन) कृते कृषि विपणन सलाहकार

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनाक 21 जून 1978

स० 3-4/78-स्थापना (विषेष) — महा प्रबन्धक, दिल्ली दुग्ध योजना, श्री ग्रार० के० जैन, महालेखाकार कार्यालय हरियाणा, चण्डीगढ़ के लखा परीक्षा ग्रिधकारी (वाणिज्य) को दिनाक 1-6-78 (भ्रपराह्न) से दिल्ली दुग्ध योजना से प्रतिनियुक्ति की णतौँ पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में श्रगले श्रादेश जारी होने तक ग्रान्तरिक लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रोम प्रकाश गिरोत्ना, उपमहा प्रवन्धक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इजीनियरी प्रभाग बम्बई-5, दिनाक 1 जून 1978

स० पी० पी० ई० डी०/3(236)/78-प्रशासन/6652— बम्बई स्थित विद्युत परियोजना इजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, इस प्रभाग के निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न में ग्रगले ग्रादेश होने तक के लिये उसी प्रभाग में ग्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक ग्राधिकारी/इजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं:—

ऋम स०	नाम	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है
	श्रीयू० एस० शेख श्रीटी० पी० पेली	नक्शानवीस 'सी' वैज्ञानिक सहायक 'सी'	नक्शानवीस 'बी' वैज्ञानिक सहायक 'बी'
3.	श्री एन० एन० नन्दूर्कः	र नक्शानवीस 'सी' (स्थायीवत्)	
4.	श्री एस० वी० बुलख	नक्शानवीस 'सी' (स्थायोवत्)	
5.	श्री थॉमस जॉर्ज	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	
6.	श्री पी० गुरु राज	फोरमैन 	सहायक फोरमैन

दिनांक 12 जून 1978

सं० पी० पी० ६० डी०/3(283)/76-प्रशा०/7086— निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई एतद्-बारा भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० बसु को, 29 मई, 1978 के पूर्वीह्म से 30 जून, 1978 के अपराह्म तक की अवधि के लिये उसी प्रभाग में सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा श्रधिकारी श्री बी० श्रार० कुलकर्णी के स्थान पर की जारही है, जो छुट्टी पर चले गये हैं।

दिनांक 16 जून 1978

सं० पी० पी० ई०डी०/3(208)/76-प्रशासन/7298-वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस वी श्री ए० पी० ग्रानन्द को, उनका तबादला भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र से हो जाने पर, एतद्द्वारा 5 जून 1978 के पूर्वाह्म से ग्रापेश तक के लिए विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में उसी पद पर नियुक्त किया जाता है।

बी० वी० थाटे, प्रशासनिक स्रधिकारी

ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 जून 1978

सं० क० भं० नि०/2318/77-संस्थापन/16131-निदेशक, क्रियं और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊंर्जा विभाग, श्री जी० एल० हल्दीपुर, लेखा श्रीधकारी II, क्षेत्रीय लेखा यूनिट कोटा, को श्रवकाश स्वीकृत होने पर इस निदेशालय के सहायक लेखा श्रिधकारी, श्री श्रब्दुल श्रजीज शेख को दिनाक 27-4-78 से 3-6-78 (श्रपराह्म) तक, स्थानापन्न लेखा श्रधकारी II के पद पर, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में सदर्थ रूप से नियुक्त करते ह।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कामिक श्रक्षिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

डाकघर टी० ए० पी० पी०, दिनांक 17 जून 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-श्रार—मुख्य श्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री वी० के० पी० पिल्ले को तारापुर परमाणु बिजलीघर में तदर्थ ग्राधार पर रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के वेतनश्रम में दिनांक 1 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-म्रार —--मुख्य भ्राधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, •िस्थायी वैयक्तिक सहायक तथा तदर्थ म्राधार पर स्थानापक्ष

सहायक कामिक भ्रधिकारी श्री बी० के० पी० पिल्लें को भ्रगले भ्रादेशों तक तारापुर परमाणु बिजलीश्वर में नियमित रिक्ति में दिनांक 10 जून, 1978 (भ्रपराह्न) से सहायक कामिक भ्रधिकारी के पद पर नियक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1298/77—परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यालय प्रादेश संख्या 20/5 (1)/75—सी० सी० एस०, दिनांक 26 मई, 1978 के प्रनुसार परमाणु ऊर्जी प्राधिकरण बम्बई में स्थानांतरण हो जाने के फलस्यरुप, भाभा परमाणु प्रनुसंघान केन्द्र में स्थायी सहायक तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रधिकारी श्री जी० ए० कौलगुड ने दिनांक 10 जून, 1978 (ग्रपराह्म) से तारापुर परमाणु बिजलीघर में ग्रपना कार्यभार छोड दिया।

ए० डी० देसाई मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 23 जून 1978

सं० प० ख० प्र०-1/28/77-प्रशासन—निदेशक, परमाण खिनज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्द्वारा श्री सुरेण कुमार सिन्हा को उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप में 1 मार्च 1978 की पूर्वाह्न से 31 मई, 1978 की प्रपराह्न तक की अवधि के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा का त्यागपत्र 31 मई, 1978 की श्रपराह्म से स्वींकार किया गया है:

दिनांक 24 जून 1978

सं० प० ख० प्र०-1/76/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खिनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा श्री ग्रार० ग्रार० बन्द्योपाध्याय की परमाणु खिनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप में विनांक 27 मई, 1978 से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं ।

एस० रंगानाथन वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा स्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560 025, दिनांक 16 जून 1978

सं० 10/5 (33)/77-सि० इं० प्र० (एच०) — अन्सरिक्ष विभाग के भिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अन्तरिक्ष विभाग के भिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर एम० बी० के पद पर इसी प्रभाग में स्थानापन्न नप श्री एस० जी० ग्रादिकेशवन
 श्री के० वेंकटेश्वरल्

में दिनांक 1 श्रप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न श्रागामी आदेश तक नियुक्त करते हैं ।		
क्रम सं०	नाम	वर्तमान संभाला हुम्रा पद
1	2	3
		

हस्ता० पी० श्राई० यू० नम्बियार प्रशासन ग्रधिकारी-II **कृते** मुख्य इंजीनियर

सकनीकी सहायक 'सी०'

तकनीकी सहायक 'सी०'

्महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 जुन 1978

(1) सं० ए० 32013/16/76 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० एम० कुमारस्वामी, सहायक संचार श्रधिकारी, नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) को दिनांक 2-6-1978 (पूर्वाह्न) से श्रीर श्रन्य श्रावेश होने तक नियमित श्राधार पर संचार श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हे उसी स्टेणन पर तैनात किया है।

(2) सं० ए० 32013/16/76 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री ग्राई० ग्रार० मैनन, सहायक संचार ग्रधिकारी जो इस समय नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) में उपनिदेशक सूचना ग्रौर विनियम के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं, की दिनांक 2 जून 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रौर अन्य भादेश होने तक संचार ग्रधिकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर प्रोफार्मा पदोन्नति की मंजूरी दे दी है ।

दिनांक 24 जून, 1978

सं० ए० 31011/3/77 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सात ग्रिधिकारियों को दिनांक 1 मार्च, 1978 से नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

ऋम ना सं०	म	तैनाती स्टेशन
1	2	3
 श्रो एम० ए निदेशक श्री एस० वे निदेशक संप् 		महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता
3. श्री ए० एन संचार	० नाथ, नियंत्रक	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास

1	2	3
4	श्री बी० एस० ग्रेवाल, नियंद्रक संचार	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता
5.	श्री बी० श्रार० चतुर्वेदी सहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
6,	श्री जे० के० भट्टाचार्य, यहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
7.	श्री पी० एस० श्रुंता, सहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)

सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1978

सं० ए० 32013/5/77 ई० ए०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान क्षेत्र श्रिष्ठकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से तथा श्रन्य श्रादेश होने तक, नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग श्रीर विमान क्षेत्र संगठन में, स्थानापन्न रूप में, वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया है:---

ऋम सं०	नाम	तारी ख	तैनाती स्टेशन
1	2	ż	4
	श्री एच० डब् ल्यू ग्रम्बलेर	16-5-78	नागर विमानन प्रणिक्षण केन्द्र बमरौली (इलाहबाद)
2.	श्री कृपा शंकर	1 2-6-7 8	सफदरजंगा एयरपोर्ट, नई दिल्ली

विष्व विनोद जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 27 जून 1978

सं० 21/78—श्री बी० श्रार० नन्दा स्थानापन्त, केन्द्रीय उत्पाद ग्रुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक (लेखापरीक्षा के पद का कार्य-भार दिनांक 28-2-78 (अपराह्म) को श्री श्राई० एस० कें० ग्रिबपूरी, अधीक्षक (लेखा परीक्षा) और श्रधिवापिता की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में दिनांक 28-2-78 (अपरान्ह) को सेवा निवृत्त हो गए।

के० प्रकाश श्रानन्द समाहर्ता

सीमाशुल्क/स्थापना

मद्रास, दिनाक 23 जुन्ह 1978

स० 2/78—श्री टी० जयगमन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 19 मर्ट, 1978 के पूर्वाह्न से श्रमले आदेश तक, श्रम्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में मीधी भर्ती अप्रैमर (गैर-विशेषश्र नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेगे।

सं० 3/78—श्री एम० वी० जयनारायनन नायर को संघ लोक क्षेत्रा प्रायोग के उम्मीद्वा^र 2 जून, 1978 के पूर्वाह्न के श्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रुप से सीमाशृत्क घर मे सीधी भर्ती अग्रैमर (गैर-दिशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेगे।

> ्एम० जी० वैष्ठया, सीमाणुल्क समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

त्रमांक 7/78---श्री कें व्हर्ण संजाना, जो पिछले दिनों स्रधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर का कार्यभार संभाल रहे थे, सेवा निवृत्ति की स्रायु प्राप्त करने पर इतवार दिनांक 30-4-1978 के पूर्वाह्न से सेवामुक्त हो गये है।

> म।धव परुलकर, समाहर्त्ता

पटना, दिनांक 21 जून, 1978

मि० सं० 11 (7) 2स्था०/78—इस कार्यालय के स्थापना श्रादेण संख्या 77/78 दिनांक 28-2-78, जैसा की स्थापना श्रादेण सं० 107/78 दिनांक 7/4/78 द्वारा संणोधित किया गया है, के श्रनुसरण में निम्नलिखित निरीक्षकों को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-६० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तो के सहित वेतन-मान पर श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क युप 'बी' में पदोन्नत किया गया। इस श्रादेण के श्रनुसरण में उनके नाम के सामने दिए गए स्थान, तिथि श्रीर समयानुसार उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया।

नाम पदस्थापन के कार्य ग्रहण तिथि स्थान

1. श्री तुफैल ग्रहमद, ग्रधीक्षक, 21-3-78 (पूर्वाह्म) केन्द्रीय उत्पाद फारबिसगंज

2. श्री किं एम ० मिल्लिक ग्रंधीक्षक 2-5-78 (पूर्वाह्म) (डीलिमिटेशन के ० उ० (मु०) पटना

मि० सं० 11 (7) 2-स्था०/78—इस कार्यालय के स्थापना स्नादेश संख्या 75/78 दिनांक 27-2-78 के स्रनुसरण में श्री एस० एम० जेड कुली निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200/- र० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तो वा महित वेतनमान पर स्थानापन्न ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क ग्रुप 'बी०' के रूप मे पदोन्ति दिया गया । इस ग्रादेण के प्रमुखारण में उन्होंने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क परिक्षेत्र मिद्री में दिनांक 9-3-78 के पूर्विह्न में कार्यभार ग्रहण किया ।

हस्ताक्षर श्र<mark>पठ</mark>नीय समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

[भाग 111-- खण्डा

केन्द्रीय जल स्नायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 जून, 1978

सं० ए-19012/719/78—प्रशासन पांच- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री श्रार० ए० श्रोक, अनुसंघान सहायक को केन्द्रीय जल ग्रीर विद्युत श्रनुसंघानशाला, पुणे में सहायक ग्रनुसंघान ग्रधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी में ६० 650-30-740-35-810-व० रो०- 35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200 के वेतनमान में पूर्णत: श्रस्थायी श्रीर तदर्थ ग्राधार पर 2 जून, 1978 से 31-10-1978 तक ग्रथवा जब नक पर नियमित रूप से नही भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, श्रवर स**चिव** केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली दिर्नाक 21जून 1978

सं० 27-ई० एस० (56)/69-ई० सी०-II—श्री एम० बी० शिवदासानी, कार्यपालक, इंजीनियर (सिविल), बम्बई विमानन मंडल-II, के० लो० नि० वि०, बम्बई का देहान्त 23 श्रप्रैंल, 1978 को हो गया ।

एव० एस० चावला, श्रनुभाग श्रिधकरी इते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1978

संव 33/1/76-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री बी० एस० महाजन को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उप-वास्तुक सामान्य (केन्द्रीय सेवा वर्ग-क) के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के संतोष-जनक ढंग से पूरा होने पर नियमानुसार नियत किया जाएगा फिलहाल वे सामान्य गर्तो पर 28-4-78 (पूर्वाक्ष) से 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 रु० (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 700/- रु० मासिक वेतन लेंगे।

 श्री बी० एस० महाजन 28-4-1978 से दो वर्ष की परि-बीक्षा श्रविध पर रहेंगे।

दिनांक 15 मई, 1978

सं० 1/4/69-ई० सी०-9—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण के सहायक वास्तुक श्री अवतार सिंह कपूर के दिनांक 5-12-77 का सेवानिवृत्ति संबंधी नोटिस स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री अवतार सिंह कपूर को दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) से सेवानिवृत्त समझा जाए।

विनांक 23 जून 1978

सं० 1/91/69-ई० सी०-9—निर्माण भीर आवास मंद्रा-लय के विनांक 6-6-78 के अ० वि० सं० 117/अ० सं० (स्था० का०)/गोपनीय/78 से जारी हुए आदेश के अनुपालन में, श्री टी० एस० गिल, वरिष्ठ वास्तुक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली लोक-हित में, मूल नियम 56 (जे०) के अधीन दिनांक 8-6-78 (वोपहर बाद) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति हो गए है।

कृष्ण कान्त, प्रशासन उपनिदेशक

विधिः स्थाय और कम्पनी कार्य मंजासय

(कम्पनी कार्ये विभाग)

कम्पनी विधि नोर्वे कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यांनय

"कस्पनी अधिनियम 1956 सौर सोमना फाइनेस्स एण्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2976/2877—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के स्रमुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के सबसाम पर स्रोमना फाईनेन्स एण्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा स्रोर उक्त कम्पनी विचटित कर थी जाएगी।

कम्पनी मधिनियम 1956 एवं नवदीप चिट फन्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड (लिम्बीडेशन) के विषय में

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/लिक्बी०/560/2707/2880—कम्पनी
ग्रिश्चिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण
में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि नवदीप चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स
कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया
है और उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं गुरमीत कन्सट्रक्शन्स प्राइबेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3229/2883—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि गुरमीत कन्सट्रक्शन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है स्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर डेन्टोजोन कोसमेटिक्स प्रार्दिट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जीं ०/स्टेट/560/3280/2883 - कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डेन्टोजोन कोसमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश सायल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रवेश, व चण्डीगढ़ ।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 म्रीर दीकक्षित टेक्सटैल मिल्स लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, दिनाक 22 जून 1978

सं० 557/560/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दीकक्षित टेक्सटैल मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर सेटलास इण्डिया प्रार्थिट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1978

सं० 1774/560/77—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना बी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर सेटलास इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रसिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर बी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भ्रौर जनता जनार्धन सेवा फाईनांस श्रंड ट्रेंडिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जूम 1968

सं० 2357/560/77—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एसद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर जनता जनावैन सेवा फाईनान्स एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रसिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और टैलिकम्युनिकेशन् एण्ड इलेक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1978

सं० 2417/560/77—कम्पनी श्रिष्ठित्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के श्रवसान पर टेलिकम्युनि-केशन एण्ड इलेक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

करुपनी श्रधिनियम, 1956 और माफ-सिंग इलै फ्ट्रिकल ईन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, विनांक 23 जून 1978

सं० 2165/560/77—कम्पनी घिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर माक- सिंग इलेक्ट्रिकल ईन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण विधात न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मीनाक्षी मैसूर मिल्स लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, विनांक 23 जून 1978

सं० 1506/560/77—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर मीनाक्षी मैसूर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर दि जगदेव बिसिनेस कारपेरिशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 980/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा मह सूचना दी जाती है कि इस तारीख़ से तीन मास के ध्रयसान पर दि जगदेव बिसिनेस कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रसि-कूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटिस कर दी जाएगी।

कम्पनी स्रक्षिनियम, 1956 स्रीर मैसूर पैकेजिंग ईस्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 2086/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूजना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर पैकेंजिंग ईन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण देशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 भौर मैसूर सिलकेटस एंड केसिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 2091/560/78—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस झारीख से जीन मास के श्रवसान पर मैसूर सिलिकेटस एंड केमिकलस प्राईवेंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गवा तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विष्टित कर वी जाएगी।

कम्पनी ऋक्षिनियम, 1956 और इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स इक्षियपमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, विनांक 26 जून 1978

सं० 2939/560/78—कष्पनी घ्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के घ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर इण्डस्ट्रीयल फाइनेन्स इक्विपमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

एस० एन० गुहा, ,क्रम्पनियों का रजिस्ट्रार, कर्नाटक

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 भौर की उत्कल चलचित्र प्रतिष्ठान प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में।

कटक, दिनाफ 23 जून 1978

सं० एस० उ० 8351/1094(2)—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मेंएसव्- द्वारा सूचना दी जाती है कि की उत्कल चलचित्र प्रतिष्ठान प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है, भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर ईम्पीरियल इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । कटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० उ० 495/1093(2)— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपघारा (5) के अनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि ईम्पीरियल इंजीनियरिंग प्राध्वेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्ट्र से काट दिया गया है और उक्स कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर उड़ीसा पंक्लीकेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनोक 23 जून 1978

सं॰ एस॰ उ॰ 504/1096(2)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के-प्रनुसरण में एतव्- द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा पब्लीकेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर उड़ीसा मिनेरल्स एण्ड केमीकह्स लिमिटेड के विषय में।

भटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० ७० 643/1095(2)—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा मीनेरस्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड का नाम भाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰ --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 11 मई, 1978

निदेश नं० 1427 ए०/ अर्जन/ मेरठ/ 77-78 — अतः मुझे, आर० पी० भागंव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 27-10-77।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निक्तित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राह्मियम के ग्राधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव: ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के नतुत्रस्थ में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमें, नर्थात् :---

- (1) श्री सुरेश चन्द नागर पुत्र चन्द्र शेखर नागर नि॰ पुरवा महाबीर श्रहाता गंगाराम केसरगंज मेरठ। (श्रन्सरिती)
- (2) श्रीमती ऊषा रानी पत्नी महेश कुमार नि० 285, थापर नगर, मेरठ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम, के ब्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ध्रार्थ होगा, जो उस ब्राध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

श्रचल सम्पत्ति वुमंजिली दुकान मं० 161 स्थित कैसरगंज मंडी, मेरठ-61000 के विकय मूल्य में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भागेव सक्षम प्राधिकारी उद्यासक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, कानपुर

तारीख: 11-5-78

प्रकप भाई। टी। एन। एस।----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून 1978

निवेश सं० 18-टी०/म्रर्जन — प्रतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, मायकर मिंहिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंहिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से मिंहिक है

श्रीर जिसकी सं० डब्ल्यू० बी०-7/ 283-डी० का भाग है तथा जो बजरिया सन्दल खांईगिलसगंज बरेली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाधन्न श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृक्ष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मुविधा के लिए;

नतः ग्रन उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) केमग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयत्ति :--- (1) श्री कृष्णा लाल पुत्र मुलखराज

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जिलोकीनाथ साहानी पुत्र हुकुमचन्द साहानी (भ्रन्तरिती)
- (3) क्रिकेता (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पित्त है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धर्मध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धर्मध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उसत ग्रिष्ठ-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं गर्च होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनु सुची

एक किता मकान बाके बजिरिया सन्दल खा इंगलिसगंज बेरेली क्षेत्रफल 374.40 स्कायरमीटर तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी० सख्या 4773 तथा सेलडीड में वर्णित है श्रौर जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 29-10-1977 को दर्ज है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्तम प्राधिकारी सङ्गायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-6-1978

प्रकप भाई० टी० एस० एस० ———— भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के निमीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1978

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० / एक्यु० / II / भ्रक्तूबर-11 (32) / 180 / 77-78 / 1375 — श्रतः मुक्ते, जे० एस० गिल बामकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के मिष्ति सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900 /- द० से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डब्ल्यू०-167 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 27-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्षल के निये अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर अन्तरिक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक कप ते कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रकारण से हुई किसी मान की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम, के मधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के सिए:

सतः सन, उक्त समिनियम की धारा 269ग के बनुसरण में में, उक्त श्रविनियम की घारा 269 व की उपवारा (1) के बदीन निकासियित व्यक्तियों, सर्वात् :-- (1) श्रीमती शुक्ला सुरी, पत्नी श्री सुदर्शन कुमार सूरी तथा श्रीमती उमा सुरी, पत्नी श्री राज कुमार सुरी, निवासी 37 ई/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुक्ता लक्ष्मण गोपालानी, पत्नी श्री लक्ष्मण गोपालानी, निवासी ई-225, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वत्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चिमयम, के भक्ष्याय 20-क में यथा परिचाक्ति हैं, वही धर्य होगा, जो उस भक्ष्याय में दिशा गया है।

ग्रनु सूची

प्लाट नं 167, अलाक नं 'अब्ल्यू ' जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-Ⅱ, नई विल्ली, विल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० डब्स्यू०-165। दक्षिण : प्लाट नं० डब्स्यू०-167ए।

> जे० एस० गिल सक्तम श्रिषकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीखा : 23-6-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269थ (1) ने भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायकत (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज-^{II} श्रह्मदाबाद, दिनांक 6 मई, 1978

निर्वेश नं० पी० ग्रार० 579/19-7/78-79 :— श्रतः मुझे छी० सी० गोयल ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के ग्रधी। सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-

वपए से भिधक है

भीर जिसकी सं० वार्ड नं० 2 नोंध नं० 1690 है, तथा जो जुड़ां शेरी, सग्रामपुरा, सूरत में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन शक्तूबर, 1977 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह श्रतिशत से प्रधिक है भीर श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में

बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-तियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व सन्य स्नास्तियों को जिन्हें भारतीय स्नाय-कर श्रीधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भिधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीत:--- (1) श्री अनील कुमार मोहन लाल बुन्की सग्रामपुरा, जुड़ा शेरी सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त सोभा भाई सोरडिया जुड़ा शेरी, सग्रामपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

घमुसू ची

जमीन स्रौर मकान जो वार्ड नं० 2 नोंध नं० 1690 सम्रामपुरा जुड़ा शेरी, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 137 वर्गगज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के श्रक्तूबर, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1557 में प्रदर्शित है।

> डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी 'सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज -II

> > ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-5-1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद दिनांक 6 सई, 1977

निर्देश सं० पी० म्रार०/5808/एसीक्यू०/23-1952 19-7-77-78:----म्रतः मुझे, डी० सी० गोयल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 13, बोंध नं० 755 है तथा जो बोबाली बाग, ग्रुटवां साइन्स, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन भक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है मोर धन्तरक (घन्तरकों) मोर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देंने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किनो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नतिथित व्यक्तियों, श्रवीत :--- ! श्री गणेशीभाई हरीदास एिलाया, हरीभाई पटेल, साधना सोसायटी, बराछा रोड़, सुरत ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. सेवतीलाल प्रेमचन्द शाह, (2) रसीलाबेन सेवंती लाल शाह 7, ग्रयाम्बल भवन, मिडल स्कुल के पीछे गोपीपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकोंगे।

स्पच्डी अरब :--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के प्रश्याय 20-कं में परिमाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

खुली जमीन जो नोंध नं० 755 वार्ड नं० 13 दीवाली बाग, ग्रठवा, सुरत में स्थित है जिसका कुल माप 337.8 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सुरत के मक्तूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1889 में प्रदर्शित है।

> डी० सी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-5-1978

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-U, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई, 19 8

निष्म सं० पी० श्रार० 581/ए० मी० क्यू०-23-1053/ 19-7/77-78:----अतः मुझे, डी० सी० गोयल,

सायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण े कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० बार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 है तथा जो रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है (श्रौर दससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977 को

पूर्विषत सम्पत्ति के उचित वाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं ग्रौर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाक्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--3-156GI/78

(1) 1. बसंतलाल रतन लाल पारेख, 36, दारावशा गेड़. बम्बई, 2. इन्द्रवदन श्रीरालाल, 3. श्ररिबन्द हीरालाल पारेख, 4. रमणभाई रतनलाल पारेख, 5. सुरेश रतनलाल पारेख, 2 से 5 का कुल मुखतार : वसंतलाल रतनलाल पारेख, 35, दाराबशा रोड़, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कालीदास छोटालाल गज्जर 10/3072, कंसकी-वाइ, रानी तलाब, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जोभी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही भूमर्थ होगा, जो उस धश्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जभीन और मकान जो वार्ड नं० 12, नोंध न० 90 पैकी रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 85 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत के ग्रक्तूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2854 में प्रदर्शित है। 1

> डी० सी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक धायकर भ्राय्**क्स (मिरीक्षण), श्रर्जन रेंज-^II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-5-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 6 मई, 1978

निदेण सं० पी० श्रार० 582/ए० सी० क्यू० 23-1054/19-7/77-78.—श्रतः मुझे, डी० सी० गोयल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिमकी सं० वार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 है तथा जो रागी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची नें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

- अधीन 27-10-1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त धिंध-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धनया प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्निकिखित व्यक्तियों अर्थात् ।--- (1) 1. वसंतला। रतनलाल पारेख, 36, दारावणा रोड़, बम्बई, 2. इन्द्रवदन हीरा लाल पारेख, 3. श्ररविन्द हीरालाल पारेख, 4. रमेण भाई रतनलाल पारेख, 5. सुरेण रतनलाल पारेख, वो से पांच का कुल मुखतार, वसंतलाल रमणलाल पारेख, 36, दाराबणा रोड़, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) सुरेन्द्र छोटालाल गजजर, 12/3802, रानी तलाब, कंसकी वाड़, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उस्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भौर मकान जो बार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 पैकी रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, सूरत के श्रक्तूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2855 में प्रदर्शित हैं।

डी० सी० गोयल, सक्षम प्राधिका^नी, (सहायक भ्रायक्षर भ्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~II, श्रहमदाबाद

सारीख : 6-5-1978.

प्रकप ग्राई०टी०एन०एस०----

स्रायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्ज नें अ-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई, 1978

निदेश सं० पी० श्रार०584/ए०सी०नयू०/23-996/ 6-1/77-78:--श्रत:, मुझे, डी० सी० गोयल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भी० सं० 99/1, श्रौर 1:14-ए, विभाग बी तीका नं० 12/2 है तथा जो वाबाजीपुरा, वार्ड नं० 7, खारीबाय, राबपुरा, बड़ौदा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रमतूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:— (1) शरदवन्त्र विनायकरात्र मांगडे, रावपुरा, खारीबाव रोड, बालेराव नो खांची, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० श्रारतिन्व चंदुलाल शाह, 1, गौरव, पानी गेट, बढ़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका सी० एस० नं० 99/1, श्रौर 144-ए (पैकी) विभाग की टीका नं० 12/2, बाबाजीपुरा, बार्ड नं० 7, खारीबाब रोड़, रावपुरा, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 2731 वर्ग फूट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, सूरत के श्रक्तूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2663 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1978

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक 29 जून, 1978

19-8/77-78:--- अतः मुझ, डा० सा० गायल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 10, नोंध नं० 968-98 हैं तथा जो श्रामलीरान, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्योलय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसो प्राय की बाबन, उकन प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रन्य भ्रस्तिययों को जिम्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम को घारा 269 ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपघारा (1) के अधीन, निस्त्र लिखित व्यक्तियों. धर्यात '-- (1) 1. श्रीमती प्रहत्यामती विधवा नरेन्द्र छगनलाल बलसारी, दस्वं रोड, खार, बम्बई, 2. दणब नरेन्द्र बलसारी, सतन फलीया, सूरत, 3. सिद्धार्थ नरेन्द्र बलसारी, खार, बम्बई।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री टाकोरदास छगनलाल जरीवाला, 2. कन्पन लाल छगनलाल जरीवाला, श्रामलीरान, सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना क राजपत्र म प्रकाशन को ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का. जो उक्त श्रवितियम क श्रष्टमाय 20क में परिभा-पित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्माय में दिया प्रया है।

अनुसूधो

एक असल सम्पत्ति जो 136+93-233 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका नोंध नं० 968-987 है तथा जिसका वार्ड नं० 10 है, तथा जो आमलीरान, सूरन में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अक्तूबर, 77 वार्ते बिकी दस्तावेज नं० 2812 में दिया गया है।

डी० सी गोल, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29 जून, 1978

प्रक्षप भाई० टी० एन० एस०
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज, जयपुर

जापुर, दिनाक 14 जून, 1978

निर्देश सख्या राज०/सहा० श्रा०/ग्रर्जन/४०९ ——यत , मुसे, एम० पी० विणष्ठ,

प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नक पश्चक्त (जिस्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार न्य 25,000/-० स अक्षिक है

श्रीर िसकी स० डी०-17 है तथा जो जयपूर म स्थित है, (श्रीर इससे उपाबाद अनुसूची भे और पूर्ण भागसे वर्णित है) रिजस्द्रीकर्ना र्प्याधकारी के कार्यालय जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्राद्यानियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीरू 21-11-1977 । त्रचे । याजार मुल्य को वर्वाका सम्पत्ति **ा क दश्यमा** तिकान के लिए प्रन्तरित की गर जॉर मझ िरमास करन का कारण है कि अथापूर्वातः सम्पत्ति के उचितं बादार मृत्य उस- द्रयमान प्रतिपाल से, एन •श्यमान प्रतिफल का पन्द∉ प्रतिशत से इक्रिक भन्तरत्र (अन्तरकी) भौर अन्तरिता (अन्तरितिया) के राच एस अन्तरक राज्य तम पाया गया धानफल, ।नम्नलिसित इक्षेत्र ५ उक्त शन्तरण निखित में भारतिक रूप में कथिरा नहीं किया अपान

- (क) बन्नरण याहुई । इसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिस्व में कमी फरी या उपा दना में नुविधा के निए; भीर/पः
- (ख) एसी किसी आग वा कियो अत्रया गरा वास्त्रया भा, जिस्ह बाण्टीय त्रावन्त्रर शिवितित्रम, 1922 (1022 11) १। उत्त प्रिवितित्रम, या द्वा-पर अधिनियम, 1957 (1957 27) के प्रयोजनायाँ १ ११-तो द्वारा प्रकट नहीं दिस प्रया था या किया जाना बाहिए स, जिला में सवित्या के निष्

अतः अतः, उन्न अधिनियम की घारा 299-ए के प्रमुपरण मे, मैं, उक्त प्रधायमम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) क अभीन निम्निखिण व्यक्तियों, अर्थातु :~

- (1) 'ती गोविन्द परण जोशी, ठी० 17 बनीगर्क, जयपुर । (भ्रन्तरक)
- (→) श्री दिनेश कुमार पारवाल पुत श्री ग्रन्तत लाल पारवाल, बङायान चौक, गोविन्दरायजी का रास्ता, जयपुर । (ग्रन्तरिति)

को यह भूचना जारा तरक पूर्वोन्त (०६) के प्रार्जन के लिए कार्यवादिया करता द

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क (म्बन्ध में नाई का आक्षेर --

- (ख) इन भ्वता १ स्वर ५ के कि की तारीख से 45 दिन के सातर कि १८ वर्ष सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति १९ अधिक प्रतिस्था के पाप विख्या में दिए १ क

स्पष्ठाजरण: --- इसमें प्रयुक्त के शिरा ता पा, या उका प्रशिवित्तम, ध्याय 20-- में परिभाषित हैं, बही श्रय होगा जा उन सध्याय में विया नया के

31. 19.40

प्लाह न० डी०- 7, मीरामार्ग, नते नि, जयपुर पर स्थित जो प्रविक विह्युत कासे निम्मित, गय र हारा चम सख्या 2121 दिनाक 21-11-77 पर पनिगढ़ निजय पत्र प्रविचरणित है।

> ण्म० पी० विशब्द, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख 14 6-78 मोदर

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रायकर/म्रर्जन/410:-यतः, मुझे, एव० पी० वाशिष्ठ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य, 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं सूर्य निवास है तथा जो जालौर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जालौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरित में) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिमे तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाक्त उन्त बिक्क नियम के ग्रष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

शतः भव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपक्रारा (1) के अधीन निम्मलिखिद व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सुरजसी मोदी पुत्र श्री बख्तावरसी मोदी श्रोसवाल निवासी जालौर वर्तमान में गौरों का चौक, जौधपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बाबूलाल पुत्र बस्तीचन्द द्वारा हस्तीमल पारेख, एडवोकेट, जालौर।

(भ्रन्तरिती)

ग्रनुसूची

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्वों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूर्यं निवास, कांकरिया वास, जालौर का भाग जो उप पंजियक उप जालौर द्वारा ऋमांक 980 दिनांक 15-10-77 पर पंजिबद्ध विऋय पद्म में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है ।

> (एम० पी० वाशिष्ठ), सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-78

प्रारूप माई० टी० एन० एस∙-

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन^{्रेज}, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश संस्था राज०/सहा०ग्रा०/ग्रर्जन/411:—यतः, मुझे, गम०पी० वाशिष्ठ,

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द • से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० सूर्य निवास है तथा जो जालौर में स्थित है, (भीर इससे उपात्रद्ध म्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-11-1977.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर (भन्तरिती) (भ्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक इस्प से किया गया है :---

- (क) धन्तरण में हुई किसो भाय तो बाबत, उक्त धिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किनी धन या भन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवा, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ए के धनुषरण में, में, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत स्यक्तियों, ग्रंथीत्:-- (1) श्री सूरजसी मोदी पुद्र श्री बखतावरसी मोदी श्रोसवाल, निवासी जालीर वर्तमान निवासी गौरों का चौक जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भीकम चन्द पुत्र बस्तीचन्द द्वारा हस्तीमल पारेख, एडवोकेट, जालौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

सूर्यनिवास नामकसम्पत्ति का भाग जो कांकरियावास जालौर में स्थित है और उप पंजियक आलौर द्वारा कम संख्या 1000 दिनांक 28-11-77 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14--6-78.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आसकर यिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जय**पु**र

जयपुर, दिनां 14 जुन, 197

निर्देण सं० राज०/सहा० श्रा०/श्रर्जन/४12:—⊷यत∵, मुझे, एम० पी० वाशिष्ट,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त अधिनियय' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गअप प्रश्लिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्तित नाजार मूल्य 25,000/- क्यण से अधिक ,

भीर जिसकी संव्यालान नंव 27 है, तथा जो बीकानेर में स्थित है, (श्रीर देपसे उपाबह अनुस्ती में श्रीर पूर्ण व्यासे विणता है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बाय लय, बीकारेर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अनुबर, 1977

को पूर्वो स्त उम्पित के उतिह बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिति उद्देश्य से उका अन्तरण विकित के अस्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, प्रश्रिक पर देने के श्रन्तरक के रुक्किस में कमी करते। पर उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रीय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ.स. (धिनियम, या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा वकट नहीं किया गया या वा किया जाना आहिए सा, किसाने में भूविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अवितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम हा धारा १३०-६ की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : - (1) श्री स्राणाराम पृत्न रघुनाथदास स्राप्रवाल, स्वयं एवं बहैसियत मुख्तारस्राण सर्वश्री रघुनाथदास, मृन्दरलाल एवं रावतमल निवासी बीकानेर हाल निवासी ई०-उप-नाला णाही बाग, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मघुसूदन पुत्र श्री म्लचन्द श्रग्रदाल, बछावत मोहल्ला, वीकानेर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मर्क्त के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उश्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से ६ दिन की अवधिया तत्संबंधी क्या में पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया

अनुसूची

मकना नं० 27, वार्ष नं० 17, बीकानेर का भाग जो उपपंजियक, बीकानेर से क्रम संख्या 43 दिनांक 5-10-77 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप किवरणित है।

> एम० पी० वाजिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-1978.

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

भारत संरकार

कार्या नय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14जून 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा०/श्रर्जन/४13:—— श्रतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ट

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक टे

श्रौर जिसकी सं नं २ 27 है तथा जो बी कानेर में स्थित है, (श्रौर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (10908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्तूबर, 1977

को पूर्वांक्न संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्न संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसो प्राय को बाबत उक्त अधि-निमम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में नुविद्या के लिए; स्रोर/मा
- (ख) ऐसी किनी आय या किनो घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गपाया या किया जाना जाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रा अब, उस्त प्रधितियम की बारा 269ग के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269 व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पिक्तियों, प्रथीत्:--4—156GI/78 (1) श्री श्राणाराम पुत्र रधुः।थ टास श्रग्रवाल स्वयं एवं बहैसियत मुख्तारश्राम सर्वश्री रघुनाथटास, सुन्टरलाल एवं रावतमल निवासी बीकानेर हाल निवासी-ई० उपनाला, सहाय बाग, श्रहमटाबाट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिविकाशन पुत्र म ल वन्द प्रग्रवाल, बछावत मोहल्ला बीकानेर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त ग्रिमियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

मकान नं० 27, का भाग, वार्ड नं० 17, बीकानेर जो उप पंजियक, बीकानेर द्वारा कम संख्या 42 टिनांक 5-10-77 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14--6--1978.

प्ररूप माई० टी० एन० एस०——— घायकर मिसियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा'०/स्रर्जन/414:—यतः मुझे, एम०पी०विशष्ठ,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से श्रिकि है

स्रोर जिसकी स० प्लाट नं० 62 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बिच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुनिधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिम्बित व्यक्तियों,अर्थात्:--- (1) श्रीमिति श्रानन्द कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिंह रानावत ग्राम काकरवा तह० कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नि श्री स्वरूप सिंह देवड़ा, निवासी नं० 62, स^रटारपुरा, उदयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वीक्त सपत्ति केधर्जन केलिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, सो उक्त भिक्षितयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उक्त भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदारपुरा, उदयपुर में स्थित 7400 वर्गफुट जमीन, जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 1757 दिनाँक 3-10-77 द्वारा पंजिबद्ध विऋय पन्नं में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी गहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 14--6-78

प्रकाश धाई० टी० एन**० ए**म**०--**--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रिधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा०/ग्रर्जन/415:---यतः मुझे, एम०पी० वाशिष्ठ,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 225 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से थिएत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-10-1977 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविखत उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त भिध-नियम, के भधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे अपने में सुविधा के लिए; भीर/णा
- (ख) ऐसी किनी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रव, उनतः प्रधिनियमं नौ धारा 269-गं के ग्रानुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घं की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविद्यालयों ग्रथीत् :— (1) श्रीमती प्रानन्द कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिंह रानावत ग्राम कांकरवा तह कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नाथू लाल पुत्र मोदी लाल माली पंचायत वावडी नं० 4, हाथीपोल, उदयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: दसमें प्रयुक्त क्षव्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदारपुरा , उदयपुर में स्थित 6791 वर्गफुट जमीन जो उपपंजियक उध्यपुर द्वारा क्रमसंख्या 1756 दिनांक 3-10-77 द्वारापंजिबद्ध विकथ पत्न में स्रोर निस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी स**हायक ध्रामकर द्यायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, जयपुर

तारीखा: 14—6—1978

प्रकृप भाई० टी• एन• एस•----

म्रायकर भ्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश मं० राज०/महा० श्रा०/ग्रर्जन/78—79/416—यतः, मुझे, एम० पी० वशिष्ठ ,

शायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से प्रक्षिक है

भीर जिसकी सं प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1977 को पूर्वोक्त सम्प्रत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
 की, जिन्हें भारतीय बायकर ग्रिधिनियम, 1922
)(1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम
 या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते
 में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की खारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्रीमती म्रानन्ट कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिह रानावत, ग्राम काकरवा तह० कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायण लाल पुत्र हरीरामजी माली, कृष्णपुरा नं० 25, उदयपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्राजंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी ब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त भव्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्टिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 27598 वर्ग फुट, सरदारपुरा, उदयपुर जो उपपंजियक उदयपुर द्वारा क्रमांक 1755 दिनाक 3-10-1977 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, उदयपुर

तारीख: 14-6-1978

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

यायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/४१७---यतः मुझे, एम०पी० विशष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्लाट न o 615 है तथा जो जोघपुर में स्थित है, (श्रीर इसने उगाबद अनुसूत्री में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात अधिक है, श्रीर अन्तरक (श्रन्तरका) और धन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त श्रन्तरण लिखत म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत सकत अधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रम्तरक केदायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा केलिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में नुविधा के लिए;

ग्रतः घन, उनतं ग्रिष्ठितियम, की घारा 269-ग के ग्रतु-गरण में, मैं, उक्त ग्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:-- (1) श्री छगनराज पुत्र श्री मेघराज ग्रीसवाल, प्लाट नं० 713 (सी) 8वा रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द पुत्र श्री मेधराज, प्लाट नं० 615, 11यां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर। (श्रन्तरक)

को यह पुत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी ग्रन्य व्यक्ति हारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

हरव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पद्यों का, जो उक्त भिक्षितियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही भर्ष होगा,जो उस भव्याय में विया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 615, 11वां रोज़, सरदार पुरा, षोधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋमांक 1767 ए० दिनांक 10-11-77 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में थ्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम०पी० वशिष्ठ, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक **ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 14 जून, 1978

श्रारूप ग्रार्ड० टी० एन० एस०———— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भधीन सूचना ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा०/ग्रर्जन/४18——यतः मुझे, एम०पी० विशष्ठ,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे ग्रधिक है

जिसकी सं० प्लाट नं० 713 है तथा जो जोधर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उनत श्रिविनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री कपूरचन्त पुत्र श्री मेघराज भ्रोसवाल, प्लाट नं० 615, 11वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।
 - (श्रन्तरक)
- (2) श्री छगनराज पुत्र श्री मेघराज ग्रोसवाल, प्लाट नं० 713 (सी) सरदारपुरा, 8वां रोड़, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविधि,या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 713 (सी), 8वां रोड़, सरवारपुरा, जोधपुर में स्थित मकानें सम्पत्ति, जो उप पजियक, जोधपुर ब्रारा फ्रम संख्या 1767 ए परपंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वणिष्ठ, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-1978.

ोहर :

प्रस्प माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून, 1978

निदेश सं० 4481/ग्रक्तूबर/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 3749 श्रीर 3750, है 'बिडफोर्ड', ऊटी—मैसूर रोड़, ऊटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटकमन्ड (डाकुमेण्ट 1150/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख अक्तूबर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित श्राजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिद्यत उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधि-नियम के घ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसा किसो माय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर प्रितियम, या धनकर प्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त पिंधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सक्षीन निम्मिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः— (1) श्रीमनि दुवाश।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० जे० मिस्त्रि।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रज़ेन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर वदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

उटकमन्ड, उटी-मैसूर रोड़, श्रार० एस० सं० 3749 और 3750 (बिडफोर्ड) में 1-53 एकड़ (मकान के साथ)--"जय-प्रकाण"।

> के० पोन्नन, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 22-6-1978.

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० 4501/ग्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के श्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु में ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27/10 "इस्ट बाइयकारुलु रोड़, श्रार० एस० पुरम, कोयम्बट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 2213/77) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-10-1977.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिद्यक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखान में वास्तविक कर मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) धन्सरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भाधीन कर देने के भन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, जन्त भिधितियम की भारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उन्त भिधितियम की भारा 269भ की उपधारा (1) के जभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री पोन्नम्मास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीएम० ग्रार० बालु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजीत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा;
- (ख) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्यायर संपत्ति में हित-बद्ध किमी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम निवा में किए जा मालि।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परि-भाषित है वही छथं हौंगा, जो उन ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुभूची

कोयम्बतूर, ग्रार० एस० पुरम, इस्ट बाइयकास्तु, रोड़, नया टी० एस० सं० 8/985/1 ए० भाग, 985/1, सी० (सैट सं० 1) डोर सं० 27/10 में 7132-|-386 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 22 जून 1978

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० 4502/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोक्षन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० मे अधिक है,

भौर जिसकी सं० नया टी० एस० सं० 4/58, वैसियाल स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 2231/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 भक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत भन्निक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिरती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण बिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर हेने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या भग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिम्नियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः गव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, ग्रे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—156GI/78

(1) श्रीमती नाचारम्माल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० घुरुसामि प्रचारि ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरग:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, वैसियाल स्ट्रीट, नया टी० एस० सं० 4/58 में 2393 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोक्षन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 22-6-1978

प्ररूप ग्राई० टी०एन० ०→

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० 4510/अक्तूबर/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• इपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 86 ए० 3, 86ए 4, 86ए 5 स्रोर 86ए 6, हम्म् स्विष्ट्र हम्म् तरहारम, दार पुरम में स्थितहै (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रमुद्द्वी में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीवर्ता स्रधिकारी वे कार्यालय, दारापुरम (डाकुमेन्ट 2233/77) में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 24 स्रम्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिज्यम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भृविधा के लिए;

अतः अतः, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--- (1) श्री हेचं सामा राव।

(म्रन्तरक)

(2) श्री टी० रत्नसबापिन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.न सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

दारापुरम , हनुमन्तापुरम मारहारम, (बार्ड स० 2) डोर 86 ए० 3, 86ए० 4, 86 ए० 5 म्रौर 786 ए० 6 में भूमि मौर मकान।

> के० पोन्नन, सक्षम भश्रिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

तारी**ख**: 22-6-1978.

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रश्नीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 5875/ग्रक्तूअर/77:——यतः मुझे, के० पोन्नन, प्रायकर प्रिचिनयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

स्रीर जिसकी मं० 5, पहला मेथिन रोड़, कस्तूरि बाटा नगर, मद्रास20, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर० II,
सैदापेट, मद्रास (डाकुमेन्ट 686/77)में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-10-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं
किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी ग्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धनकर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के प्रमुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269म की उपघारा (1) के मधीन, निम्निस्थित स्थक्तियों भ्रायित :--- (1) श्रीमती सुबद्रा मेनन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता कृष्णमुर्ती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोकः सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भो धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूवना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भाषीहस्ताक्षारी के पास लिखित में किये जी सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-20, ग्रडयार, कोट्टूर गांव, कस्तूरिबा नगर, पहला मीयन रोड़, डोर सं० 5 में 2 ग्राउन्ड ग्रौर 1880 स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

> कें० पोन्नन, स**क्षम प्राधि**कारी, महायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज II, मद्राम

तारीख: 24-6-1978

प्ररूप माई• टी• एन• एसं•-

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

[269 **व (1) के मधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्ण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 5879/प्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आ। यकर घिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 72, लेटी मादवन नायर कालनि, मद्रास 34 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास, डाकुमैंट 710/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिकृत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसये बचने में मुविधा के लिए; -प्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

पतः भन, उन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण मे, में, उन्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोनः निम्नसिखित स्पन्तियों, अर्थातः—- (1) श्रीमती एलेम्मा तामस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीराव गोपाल राव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दी करण:-इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घड़याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस घड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-34, नुंगम्बाक्कम, लेडी माठ्वन नायर कालिन धार० एस० सं० 622/1, भाग, प्लाट सं० 72 में दो ग्राउन्ड (मकान के साथ)

> के० पोन्नन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 24-6-78

प्ररूप भाई । टी । एन । एस ---

ग्रायकर मिश्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मेघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त] (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून, 1978

निदेश सं० 8025/ग्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन ग्रायकर प्रश्चित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रश्चितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मूबानल्लूर गांव, ग्रार एस सं 187/1, 187/2, 194/4, 5, 6 हैं (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जे एस ग्रार -1, मद्रास नार्थ, (डाकुममेन्ट 2868/77) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नासिकत व्यक्तियों, प्रचीत: --- 1. श्री एस० इसन लाल ग्रारिफ

(ब्रन्तरक)

2. श्रीमती राजलशमि श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों ब्योर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मूबानल्लूर गांव, श्रार० एस० सं० 187/1, 187/2 ग्रीर 194/4, 5, 6।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, मद्रास

तारी**ख** 23-6-78 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मद्राम, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 8031/अन्त्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है जिस्सावर सम्पत्ति जिसका उवित वाजार भूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० 100 है तथा जो गांधी मिडिंगल सालै, कुम्बकीनम में स्थित है (मौर इस से उपाबयद भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता मिधिकारी के कार्यालय कुम्बकीनम (डाकुमेंट 1674/77) में, रिजस्ट्रीकरण मिटिंग 1908 (1908 का 16) के मिटींग 14-10-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए, मन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिक्रल का पन्दह प्रतिशत से मिटिंग है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया भित्रकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखिन में बास्तिक का से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम ने इहें किसो प्राय को बायत, उनता अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायस्य में कमी करने या उनसे बचन में सुविधा क लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उच्च प्रधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था था किया जाना वाहिए था, ख्रिपाने जे मुन्धा के जिल,

भवः भग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित अ्पियों, अर्थीत् :--- श्रीमती ए० बी० कोमलविल ग्रम्माल (बी० राजगोपाल ग्रयंकार के द्वारा)

(श्रन्तरक)

2. श्री के० के० राम मूर्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यांक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्क ोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कुम्बकोनम , गांधी श्रिडिंगल सालै, डोर सं० 100 में 4108 स्क्वायर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्तन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 24-6-78 मोहर:

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० 8041/प्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 3074/3, वार्ड 12, है तथा जो ब्लाक 44, ईस्ट राजा स्ट्रीट, पुदुकोह में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय जे० एस० प्रार-I, पुदुकोह (टाकुमेन्ट 1662/77), मे राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 24-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसो धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भने पन, उक्त प्रविधित को बार 269-ग क प्रनुपरण में, उक्त प्रविधियम का बारा 269-व की उपवारा (1) के प्रवीन निम्मकिखित व्यक्तिमों अर्जात:---

- (1) कमलम्बाल;
 - (2) जी० कृष्णन;
 - (3) जी० मुरलिदरन;
 - (4) राजलश्मी ;
 - (5) देवकी;
 - (6) सुबन्रा ;
 - (7) चित्रा;

(म्रन्तरक)

2. श्री ग्रदैक्कन ग्रम्बलम

(भन्तरिती)

को या मूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्बत्ति के ग्रार्वेत के लिये कार्यनाहिया करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन के ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सोतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदी का, जो उक्त प्रश्चि नियम के भ्रभ्याय 20-क में यथा परिभावित है, कही अर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया नवा है।

अनुसूक्षी

पुदुकोट्टै, ईस्ट राजा स्ट्रीट, ब्लाक सं० 44, वार्ड सं० 12, टी॰ एस॰ सं० 3074/3, में 5115 स्थवायर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन स**क्षम प्राधिकारी** (सहायक भायकर भायु**क्त, निरीक्षण**) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-6-78

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

बायकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 8043/प्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्तन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० पुदुकोट्टें, कामराजपुरम, पहला स्ट्रीट, टी०

भीर जिसकी सं० पुदुकोहै, कामराजपुरम, पहला स्ट्रीट, टी० एस० सं० 273/107-109 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पुदुकोहै (डाकुमेन्ट 1649/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 22-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और शन्तरक (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई िहलो आयं की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुतिखा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के ग्रिधीस निस्तिनिवित व्यक्तियों अर्थील्:--- 1. श्री डी० राजरत्नम

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० जानकी

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुदुकोहै, कामराजपुरम, पहला स्ट्रीट, टी० एस० सं० 273/107-109, (वार्ड सं० 3, ब्लाक सं० 135) (भूमि भौर मकान)।

के० पोन्तन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक शायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, भद्रास

तारी**ख :** 24-6-78 मोहर प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1978

निदेश सं० 8050/ग्रवत्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन, आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

श्रीर जिसकी डोर सं० -5-9, ईस्ट स्ट्रीट, तिक्नागेस्वरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरुविधैमरुदूर (डाकुमेन्ट 2013/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्सरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत पश्चिक है धौर धन्तरक
(धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया
है ।—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घ्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री जी० श्रीनिवास पिन्लै

(भ्रन्सरक)

2. श्री ग्रार० तिरुनाउक्करसु

(म्रन्तरिती)

को यह सुबना जारो करके पूर्वोक्त सम्प्रति के ग्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पध्योक्तरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाष्ट्रित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुमुषी

तिरुनागेस्वरम, ईस्ट स्ट्रीट, डोर सं० XII-5-9 (भूमि ग्रौर मकान)।

> के० पोन्नन, स**क्षम प्राधिका**री, ृसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-^II, मद्रास

तारीख: 23-6-78

मोहए :

प्ररूप भाई • टी० एन० एस० -

धायकर प्रधिनियम, 1961 (19%) का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (मिरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1978

निदेश सं० 8051/श्रक्तूबर/77—यतः मुझे के० पोन्नन-ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

मीर जिसकी सं० 75 ए, भीर 76, है तथा जो नागै, रोड, विजयपुरम, तिरुवाकर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्मालय में तिरुवाकर (डाकुमेन्ट 2075/77) में रिजस्ट्रीकरण मित्रित्यम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्रत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृत्व प्रतिकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर पिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विभा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उस्त घधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के के ग्रधीन, निम्निचित व्यक्तियों, श्रवीत्:--- श्री टी० के० भ्रार० एस० दशिनामृतीं

(भ्रन्तरक)

श्री ए० गोविन्दसामि
 श्रीर ए० रामसामि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्णन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष-नियम के शहराय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अग्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवारूर, विजयपुरम, नार्ग, रोड, डोर सं० 75ए भ्रौर 76 में 4746 स्क्वायर फीट (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 870/1 भ्रौर 871) ।

के० पोन्तन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-6-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 26 जून 1978

निवेश सं० 8052/ग्रक्तूबर/77—यतः मुझे, कें पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), इसके पश्चात की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **ग्रौ**र जिसकी डोर सं० 61 है जो कबीर वैस्ट स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कुम्बकोनम (डाकुमेन्ट 1739/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रक्तूबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण में हुई किसो आय की बाबन उक्त अग्निनियम, के मधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

नहीं किया गया है:--

(क) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः, ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मिनिखन व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री जी० वेंकटेसन ग्रौर जी० घुरुरंगन

(मन्तरक)

2. श्री सितसुब्रमनियन श्रौर नटराजन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्रन सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, दबीर वेस्ट स्ट्रीट, डोर सं० 61 (भूमि श्रीर मकान)।

के० पोन्ननं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-6-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर मिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून, 1978

निदेश सं० 8053/म्रक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के गधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० डोर सं० 14, वेस्ट ग्रध्यन, स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कुम्बकोनम (डाकुमेन्ट 1734/77) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के भ्रधीन 22-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:→-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उकत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (ख) ऐसी भिसी भाप या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर श्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के खिए;

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम, को धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :--- श्री ध्रार० शन्मुगम पिल्लै

(श्रन्तरक)

2. श्री म्नार० एस० रवीन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की आवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रशाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, वेस्ट भ्रय्यन, स्ट्रीट, डोर सं० 14 ।

कें० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रा**युक्**त (निरी**क्षण**) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-6-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश सं० ए०सि०-8/ग्रार-II/कल०/78-79—श्रतः, मुझे, श्रार० सी० लालमोया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० 25-डी है तथा जो वैलमेडार रोड, प्रलिपुर, कलकत्ता-27 मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दि० रेजिट्रार 24-परगना श्रलीपुर मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 14-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन महीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- ं (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भता, भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हरि नारायन बोस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार कागेरिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर प्दों का, जो उक्त श्रक्षि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस सब्याय में दिया गया है।

थनसम्बो

25-दि, वेलमेडार रोड, ग्रसिपुर, कलकत्ता-27।

ग्रार० सी० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 31-5-78

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 जून 1978

निर्देश सं० ए०सी०-15/एक्यू ध्रार-IV/कल०/78-79—यत:, मुझे, पि० पि० सिंह ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/4 है, तथा जो गोपाल चटार्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-10-77 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित. बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिंघनियम, या धन-कर ग्रिंघनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रंब, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उकत प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बच्चीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचित्:— 1. श्री प्रजेन्द्र नाथ बसु।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार पोद्दार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई मो माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूचो**

करीब 2 कट्ठा 9 छटाक, 15 स्ववायर फीट, जमीन साथ उस पर बनाया वो तला मकान जो 6/4 गोपाल चटर्जी रोड, (7 गोपाल चटार्जी रोड से बनाया), थाना काशीपुर, कलकत्ता पर ध्रवस्थित और जो दलिल सं० 4680/1977 का धनुसार है।

> पि० पि० सिह स**क्ष**म प्रा**धि**कारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज^{IV}-, कलकत्ता

तारीख: 17-6-78

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जून 1978

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 104 है, तथा जो कालीचरन घोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-10-77

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिति की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है पौर प्रन्तरक (धन्तरकों) पौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम, के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में भृविष्ठा के लिए;

म्रतः म्रज, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रवीत् :--- 1. श्री ग्रनादि नाथ दास ।

(भ्रन्तरक)

2. श्राणुतोष दास, सेफली दास, फनोीन्द्रनाथ बनर्जी । (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त क्षिध-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अमुसुधी

करीब 10 कट्ठा 12 छटाक 33 स्क्वायर फुट जमीन साथ में उस पर बनाया मकान जो 104 कालीचरन घोष रोड थाना:काषीपुर, कलकत्ता पर ध्रवस्थित श्रीर जो दलिल सं० 4935/1977 के ग्रनुसारहै।

> पि० पि० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 17-6-78

प्ररूप भाई • टी • एन ० एस • ---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-ध (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

भायतिय, सहायक आयकर मायुका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० 406/एक्यू०-III/ 78-79/कल०—ग्रतः, मुझे, किशोर सेन,

स्नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-खं के भिभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द॰ से भिभिक है

श्रौर जिसकी सं० 269/1 है, तथा जो नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-10-1977

को पूर्वे भित सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के शिए धन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिखत मधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तर्थ के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिक्ति उद्देश्य से उच्यत अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से अवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या ितनी श्वन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या धन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविशा के नियं;

भतः भन्न, उस्त भिन्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त भिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातु:---

- श्री भवेश चन्द्र मिश्र,
 11/48, पन्डिलिया रोड. कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती मागी देनी श्रौर श्रन्यान्य ,
 34, बिमेकानन्द रोड, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 4.5 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की भवधि, जो भी भवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकीं ।

स्वस्टीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त फाब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 15 कट्टा, 2 छटाक, जमीन साथ में डाकुमेन्ट जो 269/1, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता पर म्रवस्थित म्रीर जो रिजस्ट्रार म्राफ एम्युरेन्स द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलल सं॰ I-4719/1977 के मनुसार है ।

किशोर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-Ⅲ, कलकत्ता

तारीख : 23-6-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

ग्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जून 1978

निर्वेश सं० 407/एक्यूरे०ााा/78-79/कल०—-ग्रतः, मुझे, किशोर सेन,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 129-ए हैं, तथा जो ग्रारविन्द सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— 7—156GI/78

- श्री तुलसी चरन राय,
 ग्राम माकुया, सारदृल, हावड़ा।
 (म्रन्तरक)
- श्री मन्सा राम भट्टाचार्य,
 113-ए, श्ररबिन्द सरनी, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5-5 कट्ठा जमीन साथ में उस पर बनाया एकतल्ला स्ट्राकचर्स जो 129-ए, अरविन्द सरनी, थाना श्याम पुकुर, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रिजस्ट्रार श्राफ एश्युरेंसेस द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलील सं व I-4938/1977 के अनुसार है।

> किणोर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारी**ख**: 27-6-78

प्ररूप ग्राई० टो० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 54/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० जो 10-3-5-874 है हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तुबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुतिग्रा के लिए; प्रौर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीर भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 चं 1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, भा यत-कर श्रीभ्रतियम, 1957 (1957 का 27) व भ्रगजनार्थ श्रत्तिरती हारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यत: भव, उक्त प्रधिनियम, नो धारा 269-ग के अपुनरण में, में, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269 व की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) श्री माहादेव श्रीनगेश, सुपुत स्वर्गीय एश्रर वायस मार्शल एम० एम० श्री नगेश,
 - (2) श्री अगेक श्रोनगेंश,
 - (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेण,
 - (4) थी जे० एम० श्रीनगेश,
 - (5) कुमारी मालती श्री नगेश,
 - (6) श्रीमती कमला एस०,
 - (7) कु० लीला एम० श्रीनगेण,
 - (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग,
 - (9) श्रीमती श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
 - (10) मैंसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार, द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड, नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

 श्री कैलाण चरन घर नं० 8-2-626/6 रास्ता नं० 1 बन्जारा हिल्स, हैदराबाद में।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिमें हितब ब किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पक्षें का, जो 'उक्त श्रक्षिनियम' के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

खुली जमीन जो प्लाट नें० 10 जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है, जो हैदरपूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2978/77 जो राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन स्**क्षम प्राधिकारी,** सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के प्रश्नीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून, 1978

सं० 55/78-79-यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर सिंद्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जिमीन 3-5-874 में है, जो हैदरगूड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 1977 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है, भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से भिक्त है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्स उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रीक्षित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रीन निम्नलिखित स्यक्तियों ग्रामीत्:---

- (1) श्री माहादेव श्री नगेश सुपुत्र स्वर्गीय एम्रर वायस मार्शल एम० एस० श्रीनगेश,
 - (2) श्री ग्रामेक श्रीनगेंश,
 - (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश,
 - (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,
 - (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,

- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (7) कु॰ लीला एम॰ श्रीनगेंश,
- (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग,
- (9) श्रीमती श्रहल्यावाई एम० श्रीनगेश,
 - यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग,
 नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मैसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी 5-8-612, ग्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा रोड, हिल्स रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

- (1) बी० वरदा रेड्डी,
 - (2) श्रीमती बी॰ पदमिनी देवी,
 - (3) श्रीमती के० शहीलाजा रेड्डी,
 - (4) श्रीमती मनजुला रेड्डी,
 - (5) बी० सुबाशचेनदर रेड्डी, बशीरबागः, हैदराबाद में रहते हैं।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी घर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

 स्पब्दिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाचित है वही प्रवें होगा जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

प्रमुची

खुली जमीन जो प्लाट नं० जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2966/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रिविमयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 56/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पेत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से श्रिष्ठिक है,

ग्रीर जिसकी सं० खुली जमीन 3-5-874 में है जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन भक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से घिक है घौर मन्तरक (मन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राप को बाबन उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या भनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इ.स: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरज में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाँत :---

- (1) श्री माहादेव श्री नगेण सुपुत्त स्वर्गीय एग्नर वायस मार्गाल एम० एम० श्रीनगेण,
 - (2) श्री अशोक श्री नगेंश,
 - (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश,
 - (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,

- (5) कुभारी मालती श्रीनगेश,
- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,
- (8) श्रीमती शकुन्सला एम० हरटोग,
- (9) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेण, यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मैंसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्ष्णन कम्पनी, 5-8-612, ग्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री केलाग चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(श्रन्तरक)

2. श्री सुबाशन रेड्डी, पिता बी० श्रामा रेड्डी वकील, धर नं० 3-5-170/ए, नारायन गुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह मूबना जारो करके ह्वांश्व सपति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की समिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की समिधि, जो भी समिधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत श्रीक्षितियम के श्रध्याय 20-क मे परि-भाषित है, वहीं शर्म होगा जो, उस शब्दाय में दिया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट जमीन जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्री-करण सं० 2963/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

मोहर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 57/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० मे अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4-3-5-874 है जो हैदरगुड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तुबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वाम फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र इतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक क्ष से काबत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त आधिक नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निस्तिखित व्यक्तियो, भ्रणतः—-

- 1. (1) श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत स्वर्गीय एम्रर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश,
 - (2) श्री अप्रोकश्री नगेंश,
 - (3) जनरल एम० एम० श्रीनगेण,
 - (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,
 - (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,

- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (6) कु० लीला एम० श्रीनगेंश,
- (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग,
- (9) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश, यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग नई दिल्ली के निवासी है।
- (10) मैसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612/, श्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार, ब्रारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड, नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जे० रेवती पुत्री जे० वेनकटेश्वर रेड्डी—घर नं० 6-3-550/2 पन्जगुट्टा, हैदराबाद में है। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के ध्राप्रेन के संबंध में कोई भी घ्राक्षंप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 4 जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैबरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजस्ट्रीकरण संख्या 2977/77 जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

प्ररूप भाई। टी एन । एस ---

घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

क्षारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

काशीलय, महायक ध्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 58/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 12-ए, 3-5-874 है जो हैदरगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर यह कि प्रनारक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण संहुई फिनी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रंथितयभ के ग्रंथीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कनी करने या उसमे वचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रस्य घास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिंघिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था फिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्तः मधिनियम भी धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, 'उन्त भिधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :—

- (1) श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्रर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश,
 - (2) श्री धशोक श्रीनगेश,
 - (3) जनरल एस० एम० श्रीनेगेश,
 - (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,

- (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,
- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,
- (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग,
- (9) श्रीमती श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश, यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612, श्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद, में रहते हैं।

(प्रन्तरक)

 श्री कीशन कुमार श्रप्रवाल, 5-4-334, पीजमजाडी रास्ता हैदराबाद में।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य स्थावत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा महोगे।

श्वक्दीकरन: --इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पर्वो का, जो ग्रायकर ग्रिश्चियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंब होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 12-ए, जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है, जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2961/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंटकट रामन सक्षम प्राप्तिकारी, स**हायक भायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)**, श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

परूप माई०टी∙एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 59/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट 11, 12, 3-5-874 है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता, ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का

16) के अधीन अक्तूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए। पौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने मे सुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उक्त प्रश्नितयम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपबारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रवांत्

- 1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एयर वायस मार्शल एम० एग० धीलगेश
- 2. श्री श्रामेक श्रीनगेंश (3) जनरत एग० एम० श्रीनेंगेश (4) जे० एम० श्रीनगेंश (5) कुमारी मालती श्रीनगेंश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीगनेंश (8) श्रीमती शंकुन्तला एम० हरटोंग (9) श्रीमती श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेंश यह सभी 34 वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्लो के निवासी हैं।
- (10) मेंसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी, 5-8-612, ब्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1 हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौसीवीन हैमदघर नं० 22-1-948 सुलतामपूरा हैदराबाद में

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हितवक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उकत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गमा है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 11, 12 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजस्ट्रकरण संख्या 2959/77 जो रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

प्रक्रप प्राई० टी० एन० एस०—— ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० नं० 60/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 9-3-5-874 है जो हैदरगुडा में स्थित है और इससे उपावद प्रनुसूची में प्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी माय की नामत, उमत प्रधिनियम, के मधीन कर देने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विस्तिचित व्यक्तियों अर्थातः--- 1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपृत्व स्वर्गीय एग्रर नायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री श्रणेक श्रीनगेंश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेंश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(भ्रन्तरक)

- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1 , हैदराबाद में रहते हैं।
- () श्री महाबीर परशाद धर नं० 8-2-626/6 रास्ता नं० 1, बन्जारा हिल्स हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की झवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झवधि, जो भी झवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधितियम के सध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रक्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 9 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरग्रुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजिस्ट्रकरण संख्या 2971/77 जो रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रधिकारी सहायक **प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-1978

प्रसप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव विनांक 14 जून 1978

सं० श्रार० नं० श्रार० ए० सी० सं० 61/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-3-5-874 में है जो हैवराबाव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भक्तुवर 1977

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परदृह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबन, उक्त प्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों की जिस्हें भारतीय प्रायकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम को श्रारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-व की -> उपज्ञारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन ब्यक्तियों, अर्थात:-8—156GI/78

- 1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्नर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री ग्रमेक श्रीनगेंश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेंश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेंश (5) कुमारी मालती श्रीनगेंश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेंश (8) श्रीमती शकुन्तला एम. हरटोंग (9) श्रीमती ग्रहल्यावाई एम० श्रीनगेंश यह सभी
- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्द्रशन कम्पनी, 5-8-612, प्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीवार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केसरीमल कारवा श्रीर डाक्टर गडलाल कारवा होलसेन कपड़े की वुकान करीमनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओव :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त भिक्षितियम के मध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 1 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरागूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 29970/77 जो रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-1978

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 62/78-79—यतः मुझे के ० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5-3-5-874 में है, जो हैदरगुड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्थ भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः यव उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-य के अनुतरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यतियों अर्थात्:—

- 1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्व्यापि एमर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री श्रगेक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम हरटोग (9) श्रीमग श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिस्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० वीरारेड्डी घर नं० 1-8-453, धीकडपली हैंदराबाद में।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूत्रना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवछ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कश्यों भीर पदों का, जो उक्त भविनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 5 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजस्ट्रीकरण संख्या 2969/77 जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम ग्रिष्ठकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरानाद

तारीख: 14-6-197

मोहरः

प्र∉प ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर मांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 63/78-79—दिनांक यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 3-3-5-78 हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप हे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन अक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके युश्यमान प्रतिफल से ऐसे युश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रक्षिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भ्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उनत प्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में। में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपघारा (1) के प्रधीन। निष्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—्रे

- (1) श्री महाादेव श्रीनगेण सुपुत्र स्वर्गीय एग्नर वायस मार्णल एम० एम० श्रीनगेण (2) श्री अर्णेक श्रीनगेंण (3) जनरल एस० एस० श्रीनगेण (4) श्री जे० एम० श्रीनगेण (5) कुमारी मालती श्रीनगेण (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम०, श्रीनगेणं (8) श्रीमती णकुन्तला एम० हरटोग (8) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेण यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी है। (ग्रन्तरक)
- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी 5-8-612, ग्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री केलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।
- (1) श्रीमती जी० श्राहालीया पत्नी श्रीवीरारेड्डी धर नं० 19/3 श्रार० टी० सी० है बी० घर बरक्तपुरा हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त संगत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विम की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन अधिनियम के बद्ध्याय 20-क में परिभाविश है, वही धर्च होगा, जो उस अद्ध्याय में दिया गया है ।

भ्रनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 3 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा हैडराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 2968/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम स्रधिकारी महायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 64/78-79-यदः मुझे के० एस० वेंकट रामन, पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2—घर नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्त्रण लिखित में बास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वागत उक्त ग्रिक्षित्यम के ग्रिक्षीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबं, उक्त श्रविनियमं की घारा 269-ग के धमुसरण में, में, उक्त श्रविनियमं की घारा 269-म की उपघारा (1) के श्रधीन निम्ननिधित व्यक्तियों, श्रथीन:—

- 1. श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्रर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री ग्रणेक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्रो जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती श्रकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती श्रहुरुया- बाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34 वंसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (श्रन्तरक)
- (1) श्रीमती मनीरमा पत्नी रमनीकलाल कामदार 1-8- 44/3/1 धीकडपली हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में अकाशन की तारी का से 45 दिन की अधिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ जो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं पर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

खुणी जमीन जो प्लाट नं० 2 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैबरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजस्ट्रकरण संख्या 2967/77 जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामनः सक्षम श्रधिकारी सहायक <mark>भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-1978

प्रकप धाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 65/78-79— यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 8 है, जो 3-5-874 हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम श्रक्तुबर 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रिष्ठक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्नविक रूप से किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिन्न नियम, के भग्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भन उन्त भिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अजीम निम्मिकिसित व्यक्तियों, अवात :--- 1. श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्नर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश 2. श्री ग्रशेक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम. श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश

यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

- (10) मेंसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकणन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री केलाण चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं। (श्चन्तराक)
- (1) श्रीमत्ती पी० वीजया लक्ष्मी रेड्डी पती पी० महेनदर रेड्डी, घर नं० 5-3-847 मीजमजाइ रास्ता हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकालन की तारीश्व से 45 दिन की मधिश्रमा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मधित, जो भी मधिश्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगें।

स्थव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 8 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रिजिस्ट्रीकरण संख्या 2965/77 जो रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जत रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 66/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० कनीजमीन है, जो हैदरगुडा 3-5-874 में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रश्चिक है घौर प्रन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्षातः—

- (1) श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्नर वायस मार्गल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री ग्रशेक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6 श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेंश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती ग्रहत्याबाई एम० श्रीनगेंश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी, 5-8-612 ग्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिस्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- (1) डाक्टर महमूदसुलताना पति डाक्टर महमूद इकाहीम घर नं० 3-5-855/3 हैदरगुडा हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट जमीन जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 2964/77 जो रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयु**क्त (**निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-1978

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 67/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, भायकर प्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीत सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो हैदरगूडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमो करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ध्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त यधिनियम की द्यारा 269-ए के प्रतृसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की द्यारा 269-ए की उपवारा (1) के प्रधीत, निम्निलिखितव्यक्तियों अर्थात :-

- (1) श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एग्नर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री ग्रगेक श्रीनगेंश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती ग्रहस्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई विल्ली के निवासी हैं।
- (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी, 5-8-612, भ्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा ओ घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिस्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

डाक्टर जी० सुलोचना पति डाक्टर जी० रामाकृष्णा रेड्डी घर नं० 3-5-1093/ए-18 वेनकटेश्वर कालोनी हैवराबाद।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्व होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

पनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 15 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 2962/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 14-6-1978

प्रकप धाई• टी• एन• एष•---

ग्रावकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 68/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इ० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 है, जो 3-5-874 हैदरगुड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता, श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1808 का 16) के भ्राधीन श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य पे कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्तल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्म प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रीर ग्रस्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) क बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित हेश्य ने ग्रक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो भ्राय को बाबत उनत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्र प्रधिनियम, 1922 : 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269 ग के शनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नीवित व्यक्तियों ग्रवीत्:~- 1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एमर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशेक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० शीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीनम शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती श्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्शी के निवासी हैं। (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रकशन कम्पनी, 5-8-612, ग्राबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिह्ब, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(1) श्रयर नात श्रगरवाल लेनपारमीसी दवासालका दुकान सीदीय मबरबजार हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रज़ैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुशी जमीन जो प्लाट नं० 24 जिसका मृतिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैवरगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 2960/77 जो रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 76/78-79---यत० मुझे, के० एस० वेंकट रामन, धायकर घिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-अ के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-1-113/ए है, जो क्रास रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-10-1977 को

पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अचापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत धांधक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :──

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रमः सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्ः → • 9—156GI/78

- (1) श्री ग्रार कीशणा रेड्डी घर नं० 1-1-113 ए० चारमीनार रास्ता हैबाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सोमनात पिता पी० महीनदर नात घर नं० 2-1-527/5 नलाकुन्टा हैद्राबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि मां तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अन्सृची

भर नं० 1-1-113/ए चारनीनार करास रास्ता घर रिजस्ट्री की इस्तावेश नं० 2772/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राप्तकारी सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैद्राबाद

दिनांक: 17-5-1978

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के धाषीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज हैदराबाद, हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 77/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 'लाट नं० 1 नं 206 है, जो मेस हैदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैद्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण ये हुई किसी ग्रायकी याबत उक्त श्रिष्ट-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में युविधा के लिए; मौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित वर यों शर्थात् :---

- (1) श्री सयद श्रलताफ हुसेन (2) सैयद हमद हुसेन नं०5-1-437 जामबाग हैद्राबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री राधाराम पीना इक्ष्वरदास 5-8-56/57 नामपली हैब्राबाद
- (2) सुरेश कुमार पीता इशपददास 5-854/57 भूपली हैवाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (दः) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जी उन्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाणित हैं, बही अर्थ होगा जी उन मध्याय में दिया गरा है।

श्रनुसूची

खुलीजमीन नं० 1 सरवे नं० 206 में वीस्तन 400 वर्ग यार्ड एम एल० ये० घर के पास मशीर बाग हैद्राबाद रिजष्ट्री दस्तावेज नं० 2927/77 जैनित राजीस्ट्री हैद्राबाद में

> के० एस० वेंकट रमन सक्षम म्रिघिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैद्राबाद

तारीख: 17-6-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंअ हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 जून 1978

सं० 80/78-79---यतः मुझे के० एस० वैंकट रामन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्ताल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संनित्त, जिसका उजिन बाजार मूह्य, 25,000/- द० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 11-6-802/1/बी-1---है, जो रेडहीलस हैदाबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैद्रावाद में भारतीय रजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, (1980 का 16)) ग्रधीन ग्रक्तूबर 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वीया सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस पृथ्यमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिशत से प्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर भन्तिरिती (मन्तरितियों) के बीप ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण स हुई किसी भाग की प्रावत, 'उन्स्त प्रधिनियम' के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा व लिए, श्रीरा
- (ख) ऐसी किसी प्राथ या किसी प्रान गः श्रम्य ग्राहिनयां को जिन्हें भारतीय तथ कर प्रधिनियम, 1922 (1944 का 11) या 'उनन अधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात:-

- (1) श्री शेरबानु सजनलाल सायेव पसी जनाब जलाशीदीन सजनलाल सहेब 11-6-862/1 रेहीसस हैद्राबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस गुलामश्रहमद सायब 11-4-643 ए सी० गाट हैदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनु**सूची**

पडयर बाधु पहला सता नं० 11-6-802/1 बी -1 वीर्सन 1176 वर्ग कीट रडहीलस हैद्राबयद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2773/77 ग्रौन्तरजीस्ट्रार हैद्राबाद में

> के० एस० वेकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रंज हैद्राबाव

तारीख: 17-6-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 81/78-79—यतः मुझे, के० एस० वैंकट रामन प्रायकर शिंघनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० बाग 6-3-580 है, जो कैरवाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्त्वर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/बा
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त मधिनियम को धारा 269-ग के भनु-सरण में भैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मथौंत्:—

- 1 (1) महमद शौकतुला (2) महमद हसमतुला
 (3) ग्रमीना बेगम (4) जायेबाबेगम (5) वहीदा बेगम
 घर नं० 19-2-81 काजापाडी हैदराबाद (ग्रन्सरक)
- (2) श्री महमद सैयद भ्रदाल 23-2-313 मोमलपुरा हैवराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वो≉त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति क धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त स्रिष्कि नियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दशीन के तरफ घर नं० 6-3-580 केरवाबाद हैदाबाद में वीस्तेन 856 वयगीर्ड रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2454/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कैरवाबाद ।

> के० एस० वैंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** 17-6-1978 मोहर: प्र**रू**प श्राई • टी • एन • एस • -----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 82/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिधिक है,

स्रौर जिसकी सं० सारा 6-3-580 है, जो कैरताबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रकरर्ता अधिकारी के कार्याजय, हैद्राबयद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है और भन्तरित (श्रन्तरिकों) ग्रीर श्रन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे वचन में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) एसा किसी प्राय या किया जन या थन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः ध्रम, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नसिंखत व्यक्तियो, अर्थातु:—

- (1) श्रो महमद शोकातुला (2) महमद हसमतुला (3) श्रीमती श्रमीनाबेगम (4) जैनवबेगम (5) बहीदवेगम घर नं० 6-3-580 हैदराबाद (अन्तरक)
- 2. श्री सैमेद प्रली अदालत 23-3-313 मीगलपुरा हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समाति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरगः ---इसमें प्रयुक्त गन्दो भीर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

ऊतरा भाग घर नं० 6-3-580 करताबाद हैदाबाद में उसका वीर्स्तन 935 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2455/ 77 उप-रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के॰ एस॰ वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 17 जून 1978

प्रसप ग्राई० टी०एन० एस •---

व्यायकर व्यविनियम, 1961 (1961का 43) का धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हेदराबाद, दिनाक 17 जून 1978

सं० 83/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्रीर जिसकी म० स्रार० 121/ए पार्क लेन है, जो सीकीन्द्राबाद मे स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची मे स्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तविक का से कायत नहीं किया गया है:

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किना आय या किसी धन या अन्य प्रास्त्रयों को जिन्हे भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए, यो, छिपाने क लिए;

प्रय प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम का बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, क्यांत्:-- 1. श्री हाजी गुलाम ग्रहमद घर नं० 1-7-330 पार्क लेन सिकन्द्राबाद (श्रन्तरक)

2. (1) श्री मुत्याला धीचा श्रीसैलम (2) एम० बलेशर (3) एम० मलेशवर (4) एम० रामेशवर (5) एम० श्रीनिवास न० 3,4 और 5 छोटे है उनका पिता श्रधिकारी है घर नं० 1520 नाका बाजार सिकन्द्राबाद (श्रन्तरिती)

को पड् सूबना जासे करता (कि.सम्बन्धिक के प्रार्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बस्थ में कोई भी आक्षेप '--

- (छ) उर सुचना के राजपल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन का धवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को समील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त रोती हो, के भीतर दुर्गमत अस्तिया मं प किसा अमित दूरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किती प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यो भीर पदों का, जो उनत अधि-नियम, के मध्याय 20क े परिभाषित हैं, वहो मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अभुसू**खी**

घर का भाग नं $121/\nabla$ (नं 1-7-329-330, 331, 332, 336, 337) पार्क लेन सिकन्द्राबाद वीस्तेन 565 बर्ग यार्ड दस्तासेज नं 1687/71 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद मे

के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17 जून 1978

मोह्नर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, दिल्ली-1
नई दिल्ली दिनांक 30 जून, 1978

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-- III /ग्रक्टूबर-II (3)/170/77-78/15-19 \rightarrow --ग्रतः मुसे, जेडः एस० गिल

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर रम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से म्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ई-494 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-II, नई दिल्ली में रिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908. का 16) के श्रधीन तारीख 19-10-1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारम है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्द, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्द प्रतिपात प्रधिक है श्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवितयम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

प्रका ग्रम, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ए के ग्रनुसरण में में, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयोत्:--- श्री रामेश कुमार मुखर्जी, सुपुत्र श्री सत्या नन्द मुखर्जी, निवासी ई-494, ग्रेटर, कैलाश-II, नई दिल्ली।

(स्रन्तरक)

2. श्री सतीम कुमार तथा राकेम कुमार, सुपुत्न श्री एच० ग्रार० नन्दा, निवासी जे०-27, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली-6। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद ,
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त झिंछ-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान जो कि 550 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट के ऊपर बना हुन्ना है, जिसका नं० ई-494 है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: प्लाट नं० 492 पश्चिम: प्लाट नं० ई-496

उत्तर: रोड़ दक्षिण: रोड़

> जे० एस० गिल सक्षम मधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 30 जून-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०——— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 जून 1978

निदेश नं० श्रमृतसर/19/78-79—यतः, मुझे, एच० एस० धुरिया श्राई० श्रार० एस०

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० दुकानें है, तथा जो फरीद दा चौक गली ग्ररीरिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शहर ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिथितियम के ध्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो बाय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिश्वितयम की चारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रीधितयम की घारा 269-च की उपभारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्यात् :---

- (1) श्री राजिन्दर प्रकाश पुत्र श्री देवी प्रसाद रजदन एवं श्री एस० पी० रजदन, स्वयं एवं वसीयत मुख्तारं खास मिन जानव श्री बल्देव प्रसाद रजदन। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बचन लाल पुत्र श्री पालाराम कटरा घनिया हवेली सरकार श्रवर सिंह ग्रमृतसर ।

(ग्रन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर श्रंकित है श्रौर यिष किरायेदार हो (वह अ्यक्सि, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उन्तर अधिनियम के झध्याय 20-क में परिभाषित है, वही झर्च होगा जो उस झध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पांच दुकानें, फरीद दा चौक, गली अरोरिआ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2369 अन्तूबर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

> एव० एस० धुरिया ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 13-6-1978

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. II.—In partial modification of the Union Public Service Commission Notification No. A. 12019/1/75-Admn. II dated 5th June, 1978, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shrl M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) and officiating as Assistant Controller (D.P.) on an ad hoc basis, to officiate on an ad hoc basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 12th June, 1978 to 11th September, 1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Dy. Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th June 1978

No. A. 32011/1/77-Admn. I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-5-78 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even number dated the 13-3-78, to continue to officiate in the same, capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period of 3 months with effect from 1-6-78 to 31-8-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 12th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Jasuja, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-6-78 to 15-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-73, the President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-6-78 to 7-7-78 or until further orders whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-78, the President is pleased to appoint Shri Jai Narain, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 17-6-78 to 7-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Dy. Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th June 1978

No. 38 RCT. 7.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri N. L. Lakhanpal, I.A.S., as Deputy Secretary (Training) in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th June, 1978, until further orders.

The 20th June 1978

No. 67 RCT 22.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. D. Sood, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 7th June, 1978, until further orders.

10—156GI/78

The 26th June 1978

No. 76 RCT 38.—Shri S. L. Garg, a permanent Personal Assistant of the Central Vigilance Commission, who was appointed to officiate as Senior P.A. vide Commission's Notification No. 1/6/76-Admn., dated 25-8-76 reverted as Personal Assistant with effect from the afternoon of 15th April, 1978.

SHRI NIVAS Under Secretary for C.V.C.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st June 1978

No. M-82/67-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Mathur, Technical Officer, Central Bureau of Investigation to officiate as Technical Advisor (Accounts & Income Tax), Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 9th June, 1978 and until further orders.

The 23rd June 1978

No. K-9/71-AD. V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri K. N. Sharma, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Senior Public Prosecutor with effect from forenoon of 19-5-1978 in the leave vacancy of Shri K. Shouriah. Sr. Public Prosecutor for a period of 45 days from 19-5-1978 to 2-7-1978.

The 26th June 1978

No. A-19021/8/78-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Kain, I.P.S. (1970-U.T.) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 12-6-78 on deputation basis and until further orders.

K. K. PURI
Deputy Director (Admn.)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 22nd June 1978

No. O. II-985/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. P. Nagendra Rao, JMO (GDO, Grade II) 1st Bn. CRPF with effect from the afternoon of 12th May, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 22nd June 1978

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation from BSF, Shri M. S. Rana assumed the charge of the post of Commandant, CISF Trg. Reserve No. 1/2, with Hqrs. at New Delhi with effect from the fore-noon of 21st June, 1978.

R. C. GOPAL Inspector-General

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 1st June 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri A. S. Vhatkar, a permanent Junior Supervisor (Numerota) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on an ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30

S/Shri

-740-35-810- EB -35-880-40-1000- EB -40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The ad-hoc appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

The 18th June 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Laxminarayana, a permanent Inspector Control is appointed to officiate on ad-hoc basis as Deputy Control Officer in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB —40—1200, in the Bank Note Press, Dewas for a period of 3 months with effect from 9-6-78 or till regular appointment is made to this post whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 9th June 1978

No. ESI/A4/78-79/169.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent/officiating Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Shri

- 1. R. Ponnuswamy
- 2. K. V. Subba Rao.

M. A. SOUNDARARAJAN

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL BIHAR

(LOCAL AUDIT WING)

Ranchi, the 22nd June 1978

No. LA-Admn-I Estt-I-1591.—The Accountant General (I) Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Kaushal Kishore Prasad, a substantive Section Officer (Andit) of Local Accounts. Bihar with effect from 19th June 1978 (after noon) until further orders.

B. L. BOTPAI

Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-1 WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 23rd June 1978

No. Admn.I/1083-XV/1086—The accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date as mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office/office of the A. G., Central until further orders.

S/Shri

1. Ranjit Rumar Laskar	•	with effect from 17-6-78 (FN)
2. Nalini Rajan Roy .	•	with effect from 17-6-78 (FN)
3, Bibhuti Bhusan Aich		with effect from 17-6-78

	•					
4	Gourdas Saha			with (Fl	from	17-6-78

5. Samir Sen Roy Chowdhury . with effect from 17-6-78 (FN)

6. Biswambhar Nath . . . with effect from 17-6-78 (FN)

7. B.G. Roy with effect from 17-6-78 (FN)
8. S. N. Choudhury . . . with effect from 17-6-78

9. R. C. Haldar . . . with effect from 17-6-78

(FN)

10. Amal Krishna Roy . with effect from 17-6-78
FN

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indicated in due course

P. K. Bandyopadhyay,

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN RAILWAY

Bombay, the 23rd June 1978

No. SA/HQ/Admn/PC/1874.—On permanent absorption of Shri J. K. Dass, Audit Officer of this office, in the Central Council for Research in Indian Medicine and Homoeopathy, New Delhi on 24th December 1976 (A.N.), he is deemed to have retired from Government service with effect from the said date.

A. N. BISWAS Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 23rd June 1978

No. 68012-A (4)/77-AN-II——The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them, until further orders:—

Sl. No.	Name	 	Date from which pro- moted
1. Shri V 2. Shri M	. P. Jain I. H. Subramanian		29-5-1978 (Forenoon) 27-5-1978 (Forenoon)

No. 86016(15)/77-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri A. R. Halasyam, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000/-) of that Service with effect from the forenoon of the 19th June, 1978, until further orders.

Additional Controller General Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

Calcutta, the 13th June 1978]

No. 13/78/A/E-I—The DGOF is pleased to promote the following permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offig. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders:—

1. Shri Sukumar Das Gupta			1-5-78
2. Shri Kanai Lal Das .			1-5-78
3. Shri Panna Lal Das .			1-5-78

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin. II, For Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 19th June 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/439/56-Admn(G)/4358.—The President is pleased to appoint Shri Takhat Ram, an officer officiating in the Selection Grade of the CSS and Deputy Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity for a period of 3 months w.e.f. the forenoon of the 1st May, 1978.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports & Exports

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 1st July 1978

No. 14/7/78-M(T).—In exercise of the powers confered under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, B. K. Thapar, Additional Director General, hereby direct that no fee shall be charged for entry into Tajmahal, Agra on the following days on account of celebrations of annual 'URS' of Emperor Shahja**han** :-

- (1) 2-7-78 from 4.00 P.M. to 1.00 A.M.
- (2) 3-7-78 from 2.00 P.M. to 4.00 A.M.
- (3) 4-7-78 from 6.00 A.M. to 4.00 A.M.

B. K. THAPAR, Additional Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 13th June 1978

No. A. 12026/11/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri B. C. Mandal, a permanent Production Assistant to officiate as Artist on ad hoc basis in this Division vice Shri J. N. Adalja, Artist granted leave for the period from 31-5-78 to 15-7-78.

This ad hoc appointment shall not bestow on Shri Mandal a claim for regular appointment in the grade of Artist. service will also not count for purposes of seniority in that grade.

> INDRAJ SINGH Deputy Director (Admn.) for Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A. 38012/1/78-SI.—On_attaining the age of superannuation Shri K. Gangayya, Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Govt. Medical Stores Depot Madras, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May 1978.

No. A. 38013/2/78-SI.—On attaining the age of superannuation S/Shri P. G. Srinivasalu and M. Munuswamy Assistant Depot Managers (Group B-Gazetted) Govt. Medical Stores Depot Madras, retired from Govt. afternoon of 31st May, 1978. service OIL

SANGAT SINGH

Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 23rd June 1978

12023/1/77(BCG)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. Ramasubramani to the post of Administrative Officer at the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the forenoon of the 9th June, 1978 in a temporary capacity and partil further orders. until further orders.

No. A. 31014/7/77 (AIIPMR) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. N. A. Kelkar in a substantive capacity in the post of Chief, Medical Social Work Department, All India Institute of Physical Medicne and Repositional Repositions. Remove with affect from the 10th August and Rehabilitation, Bombay, with effect from the 10th August, 1976.

The 26th June 1978

No. A. 12025/47/76(BCG)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. Shameem Ahmed to the post of Refrigeration Engineer at the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the forenoon of the 3rd June, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

No. A. 32014/1/78(CRI)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Shandliya in the post of Stores Officer, Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 1st April, 1978 in a temporary capacity.

> S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 22nd June 1978

No. A.19023/52/76-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri H. P. Singh, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Nagpur with effect from (forenoon), until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Singh relinquished the charge of Assistant Marketing Officer at Nagpur with effect from the forenoon of 27-5-1978.

V. P. CHAWLA. Director of Administration, for Agricultural Marketing Adviser

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 21st June 1978

No. 3-4/78-Estt(Spl).—General Manager, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Shri R. K. Jain, an Audit Officer (Commercial) of the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh as Internal Audit Officer in the pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in Delhi Milk Scheme on deputation with affact from 16 1978 (EN) until Scheme on deputation with effect from 1.6.1978 (FN) until further orders

> O. P. GIROTRA, Deputy General Manager (Admn).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION The 12th June 1978

No. PPED/3 (236) /78-Adm./6652-—Director. Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

SI. No.	Name	Present Grade	Permanent post held, if any
1. Shr	i U. S. Shaikh	D/man 'C'	Draughtsman
2. Shri	i T. P. Paily	Scientific Asstt.	Scientific Asstt.
3. Shr	l S. N. Nandurkar	Draughtsman 'C' (Q. P.)	_
4. Shr	i S. V. Bulakh	Draughtsman 'C' (Q. P.)	
5. Shr.	i Thomas George	Scientific Astt.	_
6, Sarı	ı P. Guru Raj	Foreman	Asstt. Foreman

The 12th June 1978

No. PPED/3(283)/76-Adm./7086.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vaşu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 29, 1978 to the afternoon of June 30, 1978 vice Shri V. R. Kulkarni, Asstt. Accounts Officer proceeded on leave.

The 16th June 1978

No. PPED/3(288)/76-Adm./7298.—On his transfer from Bhabha Atomic Research Centre, Shri A. P. Anand, Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' is hereby appointed in the Power Projects Engineering Division at Bombay in the same capacity with effect from forenoon of June 5, 1978 until further orders.

B. V. THATTE, Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 21st June 1978

No. DPS/23/8/77-Est./16181.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Aziz Shaikh, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an adhoc basis with effect from the forenoon of 27.4.78 to 3.6.78 (AN), vice Shri. G. L. Haldipur, Accounts Officer-II, KRAU granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 17th June 1978

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant, Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of May 1, 1978.

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Fnergy, appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant and presently officiating as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, as Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station against regular vacancy with effect from June 10, 1978 (AN), until further orders.

The 19th June 1978

No. TAPS/2/1298/77.—Consequent on his transfer to Atomic Power Authority, Bombay vide DAE Office Order No. 20/5(1)/75-CCS dated May 26, 1978, Shri G. A. Kaulgud, a permanent Assistant in BARC and officiating Assistant Personnel Officer in Tarapur Atomic Power Station has been relieved of his duties in TAPS with effect from 10.6.1978 (Afternoon).

A. D. DESAI, Chief Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION) Hyderabad-500016, the 23rd June 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Suresh Kumar Sinha, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of March 1, 1978 to May 31, 1978 (Afternoon).

The resignation of Shri S. K. Sinha has been accepted with effect from May 31, 1978 afternoon.

The 24th June 1978

No. AMD-1/30/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. R. Bandyopadhyay as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27 May, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 16th June 1978

No. 10/5 (33)/77-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the fornoon of April 1, 1978 and until further orders.

SI, Na No.	me		Post held	at present	t
1. Shri S. G. Ad	ikesavan		Technical	Assistant	'C'
2. Shri K. Venk	at es warlu		Technical	Assistant	'C'

P. I. U. NAMBIAR, Administrative Officer-II For Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A-320/13/16/76-EC—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kumaraswamy, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Department (HQ) to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 2-6-78 (F N) until further orders and to post him at the same station.

No. A 320/13/16/76-EC—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri I. R. Menon, Assistant Communication Officer at present officiating as Deputy Director, Information & Regulation in the Civil Aviation Department (H Q) to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 2-6-78 (F N) until further orders.

The 24th June 1978

No. A. 31011/3/77-EC——The President is pleased to appoint the following seven officers in the substantive capacity in the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st March, 1978.

S. Name Station of Posting No.

- 1. Shri M. S. Krishnan, Dy. Director D. G. C. A. (H O)
- 2. Shri S. K. Das, Regional Controller of Communication. Calcutta Airport, Calcutta-52.
- Shri A. N. Nath, Controller of A. C. S. Madras, Mad-Communication. ras Airport.
- 4. Shri B. S. Grewal, Controller of ACS, Calcutta Airport, Communication. Calcutta.
- Shri B. R. Chaturvedi, Asstt. D. G. C. A. (H Q) Director of Communication.
- Shri J. K. Bhattacharya, Asstt. D. G. C. A. (H Q) Director of Communication.
- Shri P. S. Dhunta, Asstt Director D. G. C. A. (H Q) of Communication.

S. D. Sharma Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A/32013/5/77-EA—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt., in an officiating capacity, with effect from the date noted against their names and until further orders:—

S. No.	Name	Date	Station	of	posting
1. Shri	i H. W. Ambler	16-5-78			on Train , Bam- habad).
2. Shri	i Kripa Shanker	12-6-78	Safdarj New D	ang elhi.	Airport,

V. V. JOHRI.

Assit. Directer of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 27th June 1978

No. 21/78.—Shri B. R. Nanda, Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Superintendent (Audit) in the afternoon of 28.2.78 to Shri I. M. K. Sheopuri, Superintendent and retired from Government Service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 28.2.78.

K. PRAKASH ANAND, Collector

Madras, the 13th June 1978

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 3/78.—Shri M. V. Jayanarayanan Nair, an U.P.S.C. candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 2-6-78 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 14th June 1978

No. 2/78.—Shri T. Jayaraman an U.P.S.C. candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 19-5-78 fore-noon in a tem-

porary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

M. G. VAIDYA, Collector of Customs. Madras

Nagpur, the 20th June 1978

No. 7/78.—Shri K. E. Sanjana, lately posted as Superintendent (Preventive), Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur, having attained the age of superannuation, has retired from Government service in the forenoon of Sunday the 30th April 1978.

M. R. PAROOLAKER, Collector.

Patna, the 21st June 1978

C. No. II(7)2-ET/78/6299—In pursuance of this office Estt. order no. 77/78 dated 28-2-78, as modified order Estt. order No. 107/78 dated 7-4-78, the following Inspectors on promotion to officiate as Superintendent Central Excise/Customs group 'B' have assumed charges as Superintendent Central Excise/Customs, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, at the places and with effect from the dates and hours as indicated against each:—

Name of officers	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Sri Tufil Ahmed	Superintendent, Central Excise Forbes- gan range.	21-3-78 (F. N.)
2. Sri K. M. Mullick	Superintendent (Delimitation) Cen- tral Excise, Hqrs. Office Patna.	2-5-78 (F. N.)

C. No. II(7)2-ET/78/6300.—In pursuance of this office Estt. order No. 75/78 dated 27.2.78, Sri S.M.Z. Quli, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' has assumed charge as Superintendent Central Excise Sindri Range in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, in the forenoon on 9-3-78.

A. M. SINHA, Collector,

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 23rd June 1978

No. A-19012/719/78-Adm.V—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri R. A. Oak, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880 40—1000—FB—40—1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the froenoon of 2nd June, 1978 upto 31-10-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA, Under Secy., Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 21st June 1978

No. 27-E/S(56)/69-EC.II.—Shri M. B. Shivdasani, Executive Engineer (Civil), Bombay Aviation Division No. II, Central Public Works Department, Bombay, expired on 23rd April, 1978.

H. S. CHAWLA, Section Officer, for Director-General (Works)

New Delhi, the 5th May 1978

No. 33/7/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri V, S. Mahajan a nominee of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on the pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years. For the present he will draw Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 28.4.78 FN on the usual terms and conditions.

2. Shri V. S. Mahajan is placed on probation for period of period of two years with effect from 28.4.78.

The 15th May 1978

No. 1/140/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 25-8-76 given by Shri G.S.R. Jala, Permanent Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri G.S.R. Jala stands retired from service with effect from 23.11.76 (AN).

The 23rd June 1978

No. 1/91/69-ECIX.—In pursuance of the order issued by the Ministry of Works & Housing vide I.D.No 117/US(EW) Conff/78 dated 6-6-78, Shri T. S. Gill, Senior Architect CPWD, New Delhi retired from Government Service under F.R. 56(J) with effect from 8.6.78 (AN), in public interest.

KRISHNA KANT, Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Omnna Finance & Chit Fund (P) Limited

Jullundur, the 21st June 1978

No. G/Stat./560/2976/2877.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Omnna Finance & Chit Fund (P) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Navdeep Chit Fund & Finance Company Private Limited. (In Liqn.)

Jullundur the 21st June 1978

No. G/Stat/Liqn/560/2707/2880.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Navdeep Chit Fund & Finance Company Private Limited (In Liqn.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Gurmeet Constructions Private Limited.

Jullundur the 21st June 1978

No. G/Stat/3229/2885.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Gurmeet Constructions Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dentozone Cosmetics Private Limited

Jullundur, the 21st June 1978

No. G/Stat/560/3280/2883.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dentozone Cosmetics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dixit Textile Mills Ltd.

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 557/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dixit Textile Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Celtas India Private Ltd.

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 1774/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Celtas India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Janatha Janardhan Seva Finance and Trading Private Ltd.

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 2357/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Janatha Janardhan Seva Finance and Trading Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Telecommunication & Electronics Private Ltd.

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 2417/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Telecommunication & Electronics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mac-Sing Electrical Industries Private Ltd.

Bangalore, the 23rd June 1978

No. 2165/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mac-Sing Electrical Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Meenakshi Mysore Mills Ltd

Bangalore, the 23rd June 1978

No. 1506/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mcenakshi Mysore Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jagadev Business Corporation Private Ltd.

Bangalore, the 26th June 1978

No. 980/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jagadev Business Corporation Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Packaging Industries Private Ltd.

Bangalore, the 26th June 1978

No. 2086/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Packaging Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 26th June 1978

No. 2091/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be atruck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Industrial Furnace Equipment Private Ltd.

Balgalore, the 26th June 1978

No. 2939/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Industrial Furnace Equipment Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA, Registrar of Companics, Karnataka, Bangalore,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Utkal Chalachitra Pratisthan Private Limited

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/351-1094(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Utkal Chalachitra Pratisthan Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private Limited

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/495-1093(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Orlssa Publications Private Limited

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O./504/1096(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Publications Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Orissa Minerals & Chemicals Limited

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/643-1095(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Minerals & Chemicals Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL, Registrar of Companies, Orissa.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th May 1978

Ref. No. Acq/1427-A/Meerut/77-78/58.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mecrut on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Suresh Chand Nagar s/o Chandra Shekhar Nagar R/o Purwa Mahavir Ahata Gangaram Kesarganj, Mecrut City.
 (Transferor)

(2) Smt. Usha Rani w/o Mahesh Kumar R/o 285, Thapar Nagar, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storeyed shop No. 161, situated at Kesargani Mandi, Meerut, Transferred for an Apparent consideration of Rs. 61,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 11-5-1978

(1) Shri Krishan Lal S/o Mulkh Raj

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Triloki Nath Sahni S/o H. C. Sahni. (Transferce)
- (3) Vendor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th June 1978

Ref. No. T-18/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Part of No. WB-7/283-A situated at Bazaria Sandal Khap, Englisheani Regully.

Khan, Englishganj, Barellly
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 29-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situate at Bazaria Sandal Khan, Englishganj, Barcilly measuring area 374.40 Sqm and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 4773 and Sale Deed duly registered on 29-10-77 at the office of the Sub Registrar, Barcilly.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11--156GI/78

Seal:

Dated: 8-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 23rd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/Oct.II(32)/180/77-78/1375,—Whereas, I. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-167, situated at Greater, Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shukla Suri w/o Shri Sudershan Kumar Suri and Mrs. Uma Suri w/o Shi Raj Kumar Suri r/o 37E/10, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transfero

(2) Smt. Mukta Lakshman Gopalani w/o Shri Lakshman Gopalani r/o E-225, Greater Kailash-I, New Delhi-

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. W-167, Block No. 'W' measuring 400 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East: Road

West: Service Lane North: Plot No. W-165 South: Plot No. W-167A

> J. S. GILL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhl

Dated: 23-6-1978

(1) Shri Anilkumar Mohanlal Bunki; Sagarampura, Zunda Sheri, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Somabhai Sorathia; Zunda Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. R. No. 579 Acq. 23-1051/19-7/78-79.—Whereas, I, D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 2, Nondh No. 1690 shuated at Zunda Sheri, Sagarampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 2, Nondh No. 1690, situated at Sagarmpura, Zunda Sheri, admeasuring 137 sq. yds. as described in the sule-deed registered under registration No. 1557 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May, 1978

Ref. No. P. R. No. 580 Acq. 23-1052/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No 13, Nondh No. 755 situated at Diwali Baug. Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganeshbhai Haridas alias Haribhai Patel, Sadhna Society, Varacha Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Sevantilal Premchand Shah; 2, Smt. Rasilben Sevantilal Shah; 7, Ayambil Bhavan, Behind Middle School, Gopipura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 755 of Ward No. 13, situated at Diwali Baug, Athwa, Surat admeasuring 337.8 sq. yds. registered under registration No. 1889 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-308 009,

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

Ref. No. P.R. No. 581 Acq. 23-1053/19-7/77-78.---Whereas, I, D. C. Goel,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax. Act, 1951 (43 of 1961), (hereunder referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 12. Nondh No. 90 situated at Rani Talav, Main Road, Surat

(and more fully described in the schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Surat on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- Shri Vasantlal Ratanlal Parekh;
 Darabsha Road, Bombay.
 - 2. Shri Indravadan Hiralal;
 - 3. Shri Arvind Hiralal Parekh;
 - 4. Shri Ramanbhai Rataulal Parckh,
 - Shri Suresh Ratanlal Parekh;
 P.A. Holders: of 2 to 5.
 Shri Vasantlal Ratanlal Parekh;
 Darabsha Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Kalidas Chhotalal Gajjar; 10/3072, Kanskivad, Rani Talav, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nordh No. 90 paiks situated at Rani Talay, Main Road, Surat admeasuring 85 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 2854 in the month of October, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEI.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

Ref. No. P. R. No. 582, Acq. 23-1054/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 12, Nondh No. 90 situated at Rani Talav, Main Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vasantlal Ratanlal Parekh; 36, Darabsha Road, Bombay.
 - 2. Shri Indravadan Hiralal Parekh;
 - 3. Shri Arvind Hiralal Parekh.
 - 4. Shri Rameshbhai Ratanlal Parekh;
 - Shri Suresh Ratanlal Parekh P.A. Holder of 2 to 5 Shri Vasantlal Ratanlal Parekh 36, Darabsha Road, Bombay.

(Transferor)

 Shri Surendra Chhotalal Gajjar; 12/3802, Rani Talav, Kansakiwad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nondh No. 90 paiki s'(uated at Rani Talay, Main Road, Surat as described in the sale deed, registered under registration No. 2855 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6th May 1978

FORM ITMS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

With the parties of the control of t

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 9th May 1978

Ref. No. P. R. No. 584 Acq. 23-996/6-1/77-78.— Whereas, I, D. C. Goel

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 99/1 and 144-A Vibhag B Tika No. 12/2 situated at Babajipura Ward No. 7, Khariyay, Raopura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

Baroda in October 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sharadchandra Vinayakrao Mongde; Raopura, Khariyav Road, Bhaleraono Khancho, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Arvind Chandulal Shah; 1, Gaurav, Pani Gate, Baroda.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing C.S. No. 99/1 and 144-A (Paiki) Vibhag B Tika No. 12/2, Babajipura, Ward No. 7, situated at Kharivav Road, Raopura Baroda admeasuring 2731 sq. ft.. as described in the sale-deed registered by the registering Officer, Baroda at No 2663 in the month of October, 1977.

D. C. GOEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedaabd.

Date: 9-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1978

Ref. No. P. R. No. 591 Acq. 23-432/19-8/77-78.—Whereas, I, D. C. Goel

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ward No. 10, Nondh No. 968-987 situated at Amliran, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitation is concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Analyamati Wd/o Narendra Chhaganlal Balsari; 10th Road, Khar, Bombay.
 - 2. Rushabh Narendra Balsari, Satan Falia, Surat
 - 3. Siddharth Narendra Balsari, Khar, Bombay.
 (Transferor)
- Shri Thakordas Chhaganlal Jariwala;
 Shri Kanchanlal Chhaganlal Jariwala;
 Both at Amliian, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 968-987 of Ward No. 10, at Amlian, Surat admeasuring 136 + 97 = 233 sq. yds. as described in the sale deed registered vide registration No 2812 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 29-6-1978

(1) Shri Govind Sharan Joshi, D-18, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Kumar Parwal s/o Shri Annantlal Parwai Badayan ka Chowk, Govindraiji ka Rasta, Jaipur, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./409.—Whereas, I, M. P. Vaisihtha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-17 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 21-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated on Plot No. D-17 Meera Marg Bani Park, Jaipur, fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur v.de 2121 dated 21-11-77.

> M. P. VASISHTHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-6-78

Seal:

12-156GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Surajai Modi s/o Shri Bhaktwarsi Modi Oswal resident of Jalore at present at Ghoron ka chowk,

(Transferor)

(2) Shri Baboolal s/o Bastichand c/o Bastimal Parekh Advocate Jalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/410.--Whereas, I, M. P. Vasishtha

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sooria Niwas situated at Jalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talore on 15-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Wow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Soorja Niwas situated at Kankaria Vass Jalore more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jalore vide No. 980 dated 15-10-77.

> M. P. VASISHTHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur.

Dated 14-6-78 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./411.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sooria Niwas situated at Jalore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalore on 28-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Surasi Modi s/o Shri Bhaktwarsi Modi Oswal resident of Jalore at present at Ghoron ka Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhikamchand s/o Bastichand c/o Shri Hasti Mal Parekh, Advocate, Jalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Sooria Niwas situated at Kankaria Vass Jalore more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jalore vide No 100 dated 28-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated 14-6-78 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/412.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 27 situated at Bikaner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 5-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Asharam s/o Raghunath dass Agarwal self and also GPA of Svs Raghunathdass, Sunderlal and Rawatmal of Bikaner at present at E-Upnala, Sahi lag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Madhusudan s/o Moolchand Agarwal, Bachhavat Mohalla, Bikaner.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 27, Ward No. 17 Biknner more fully described in the conveyance deed registered by S.R. vide No. 43 dated 5-10-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-6-1978

FORM ITNS ...

`

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/413.—Whereas, I, M. P. Vasishtha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27 situated at Bikaner

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 5-10-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Asha Ram s/o Raghunath Dass Agarwal self and also GPA of Svs Raghunathdass Senderlal and Rawatmal, of Bikaner at present at E-Upnala, Sahai Bag. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shivkishan s/o Moolchand Agarwal, Bachhavat Mohalla, Bikaner.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 27 Ward No. 17 Bikaner more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Bikaner vide No. 42 dated 5-10-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./414.—Whereas, I., M. P. Vasishtha.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 62 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat, Vill. Kakarwa Teh. Kapasan, Dist. Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari w/o Shri Swroopsingh Deora, resident of No. 62 Sardarpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7400 sq. ft. land situated at Sardarpura, Udaipur more fully described in conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1757.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/415.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 225 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Udaipur on 3-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat vill. Kakawarva Tch. Kapasan, Distt. Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Shri Nathulal s/o Moddilal Mali, Panchayat Bawara No. 4 Hatipole, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6791 Sq. ft. land situated at Sardarpura, Udaipur more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1756 dated 3-10-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-6-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Rai/IAC/Acq./416.--Whereas, 1, M. P. Vasishtha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27598 sq. ft. situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

transfer with the object of :--

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat, Vill, Kakarwa Teh. Kapasan, Dist. Chittorgarh.

(Transferor)

 Shri Narainial s/o Hariramji Mali, Krishanapura No. 25 Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Sardarpura Udaipur (27593 sq. ft) more fully described in conveyance deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1755 dated 3-10-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 14-6-78

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/417.---Whereas, I. M. P. Vasishtha

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 615 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13--156GI/78

(1) Shri Chhaganraj s/o Shri Meghruj Oswak Plot No. 713(C) 8th Road, Sardarpura, Iodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kapoorchand SPO Shri Meghraj Plot No. 615 11th Road, Sardarpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at plot No. 613, 11th Road, Sardarpura, Jodhpur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 1/67A dated 15-11-77,

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, laipur.

Dated: 14-6-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kapoorchand 6/o Shri Meghraj Oswal, Plot No. 615 11th Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chhaganraj s/o Shri Meghraj Oswal Plot No. 713(C) Surdarpura 8th Road, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/418.—Whereas, I, M. P.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 713 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-11-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at plot No. 7'3(C), 8th Road Sardarpura, Jodhpur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 1767A dated 15-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 14-6-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFIFCE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4481/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. Nos. 3749 and 3750, situated at "Bidford", Ooty-Mysore Road, Ootacamund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ootacamund (Doc. No. 1150/77) on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mani Dubash 'Jayaprakash' Fingerpost, Ootacamund.

(Transferor)

(2) Shri G. J. Mistri "Jayaprakash" Fingerpost Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.53 Acres (with building) and bearing R.S. No. 3749 and 3750 situated at Ooty—Mysore Road, Ootacamund.

(Old Name: Bidford) (New Name: Jayaprakash).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4501/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 27/10, situated at East Bashyakarulu Road; R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 2213/77) on 25-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Ponuammal alias Pappathiammal Jamin Puravipalayam Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Balu S/o Shri M. K. N. Ramaswami No. 27/10 East Bashyakaralu Road, R. S. Puram, Coimbatore 641 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7518 Sq. ft. (1732=386) (with building) situated at Door No. 27/10 (New T.S. No. 8/985/1A Part; 985/1-C) (Site No. 1) East Bashyakarulu Road, R. S. Puram. Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-6-1978

(1) Smt. Nacharammal W/o Shri Kulandaivel Pıllai Rayapuram Extension, Tirupur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Guruswami Achari, No. 33/302 Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4502/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New T.S. No. 4/58, situated at Vysiał Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2231/77) on 26-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2393 Sq. ft. (with building) and bearing New T.S. No. 4/58, Vysial Street, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-6-1978

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4510/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

86A3, 86A4, 86A5 and 86A6 situated at Hanumanthapuram Agraharam, Dharapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Dharapuram (Doc. No. 2233/77) on 24-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. Sama Rao, No. 34, Hanumanthapuram, Dharapuram.

(Transferor)

(2) Shri T. Rathnasabapathy, 86A4 Hanumanthapuram, Dharapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 86A3, 86A4, 86A5 86A6 (Ward No. 2) Hanumanthapuram Agraharam, Dharapuram.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Subhadra Menon @ Rukmani Ammal No. 8, First Main Road, Gandhinagar. Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitha Krishnamoorthy W/o Dr. Krishnamoorthy No. 41 Kamaraj Avenue Adyar, Madras 600 020.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 5875/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5. First Main Road, situated at Kasturbai Nagar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR II Saidapet Madras (Doc. No. 686/77) on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds and 1880 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 5, First Main Road, Kasturbai Nagar, Kottur village, Adyar, Madras-20.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 24-6-1978

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Ethemma Thomas, No. 9 Alwarthiru Nagar, Madras-87.

(Transferor)

(2) Shri Rao Gopal Rao Plot No. 72, Lady Madhavan Nair Colony, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 5879/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 72, situated at Lady Madhavan Nair Colony, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 710/77) on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds (with building) situated at Plot No. 72, R.S. No. 622/1 Part Lady Madhavan Nair Colony, Nungambakkam, Madras-34.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd June 1978

Ref. No. F. 8025/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS Nos. 187/1, 187/2, 194/4, 5, 6, Moovanallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

JSR I, Madras North (Doc. No. 2868/77) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

14-156GI/78

(1) Shri G. Hasanlal Arift, Director, M/s, South India Breweries Ltd. No. 77/79 Wallajah Road, Madras-2

(Transferor)

(2) Smt. Rajalakshmi Ammal, W/o Shri Gnanasundara Vandiyar; Kalachelvan (Minor), S/o Shri Gnanasundara Vandiyar, Moovanallur, Mannargudi Taluk, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Moovanallur Village, Mannargudi Taluk:

R. S. No. 187/1 4 23 R. S. No. 187/2 1 89 R. S. No. 194/4, 5, 6 1 43 1/3

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 23-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 8031/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100 Gandhi Adigal Salai situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kumbakonam (Doc. No. 1674/77) on 14-10-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Rajagopala Iyengar S/o Shri Vecraraghava Iyengar Executor of the estate of A. V. Komalavalli ammal Doctor, Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Ramamurthy, C/o Gowri Vilas, 100 Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4108 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 100, Gandhi Adigul Salai, Kumbakonam.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 24-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8041/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. T.S. No. 3074/3, situated at Ward No. 12, Block No. 44, East Raja St., Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Pudukottai (Doc. No. 1662/77) on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamalambal, W/o K. Gopalachariar, No. 6, Gopalapuram 7th St., Madras.

2. Shri G. Krishnan;

3. Shri G. Muralidharan;

4. Rajalakshmi;

5. Devaki;

6. Subnadra;7. Chitra.

(Transferor)

(2) Shri Adaikkan Ambalam, S/o Shri Mochayyan Ramiah Ambalam Vadakattupatty, Thirumayam Taluk, Pudukottai Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5115 Sq. ft. (with building) situated at T.S. No. 3074/3, Ward No. 12, Block No. 44, East Raja Street, Pudukottai. (Doc. No. 1662/77—JRS I Pudukottai).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Π, Madras-6.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Janaki, W/o Shri AL. Subramanian Chettiar, Ramachandrapuram Post, Podukottai Dist

Shri D. Rajarathnam, S/o Shri R. Daniel Pillai, No. 31 Coral Merchant St.,

Madras.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 8043/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 273/107-109, situated at First Street, Kamarajapuram, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 1649/77) on 22-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 273/107-109, situated at First Street, Kamarajapuram, Pudukottai (Ward No. 3; Block No. 135) (Doc. No. 1649/77).

> K. PONNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 24-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRΛS-6

Madras-6, the 231d June 1978

Ref. No. 8050/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. XII-5-9 situated at Fast Street, Thirunageswaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Tiruvidaimarudur (Doc. No. 2013/77) on 29-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri G. Srinivasa Pillal Hast St., Tirunageswaram, Thanjavur Dist.

(Transferor)

(2) Shri R. Thirunavukarasu, S/o Shri Ramaswami Mudaliar, XII-5-9, East St. Tirunageswaram (Tanjore Dist.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. XII-5-9, East Street, Thirunageswaram (Doc. No. 2013/77).

K. PONNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 23-6-1978

FORM IINS

 T. K. R. S. Dakshinamurthy, S/o Shri Somaskandam Pillai, No. 6 Durgai Sannadhi, Tiruvarur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri A. Govindasami and A. Ramasami, S/o Shri Annamalai Chettiar, No. 3/A Udayar St., Tiruyarur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd June 1978

Ref. No. 8051/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

75A and 76 situated at Nagai Road, Vijayapuram, Tiruvarur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvarur (Doc. No. 2075/77) on 29-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4746 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 75- Λ and 76, Nagai Road, Vijayapuram, Tiruvarur. (T.S. No. 870/1 and 871).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Π, Madras-6.

Date: 23-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8052/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Door No. 61 situated at Dabcer West St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1739/77) on October 1977 for an apparent consideration whic is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri G. Venkatesan,
 - S/o Shri K. S. Gopalasami Iyer,
 - Shri V. Balasubramaniam, S/o Shri G. Venkatesan;
 - Shti V. Jayasankar (Minot), S/o Shri C. Venkatesan; No. 14A/40 West Extension Area, New Delhi.
 - 4. Shri G. Gururengan, S/o Shri K. S. Gopalsami Iyer,
 - 5. Shri G. Raghuraman; and
 - Shri G. Steedharan No. 69, Jill Nagar, Madras-94.

(Transferor)

(2) Shri Sivasubramaniam,

S/o Shri K. M. S. Muthiah Chettiar; Shri atarajan, Shri Natarajan,

S/o Shri K, M. S. Muthiah Chettiar No. 20 Srikumbeswaraswami Koil North St. Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 61, Dabeer West Street, Kumbakonam.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8053/Oct/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 14, situated at cst WAyyan St., Kumbakonam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1734/77) on 22-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Shri R. Shanmugham Pillai, S/o Shri Ramu Pillai, No. 8 Kothanar Lane, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Ravindharan, S/o Shri R. Shanmugham Pillai, No. 14 West Ayyan Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 14, (T.S. No. 2422) West Ayyan Street, Kumbakonam.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-6-1978

FORM ITNS ----

(1) Shri Hari Narayan Basu, 28/3/7, Nakuleswar Bhattacharjee Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod Kumar Bagaria, 25, Jadulal Mullick Road,

Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 31st May 1978

Ref. No. Ac-8/R-11/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LAL-MAWIA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25-D. situated at Belvedere Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar, 24-Pigs, Alipore on 14-10-77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---15-156GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION s-The terms and expressions used begein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25-D. Belvedere Road, Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 31-5-1978

(1) Sti Brojendra Nath Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sudhir Kumar Poddar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th June 1978

Ref. No. AC-15/Acq.R-IV/Cul/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/4 situated at Gopal Chatterjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 9 chittaks 15 sft together with two storied building thereon situated at 6/4, Gopal Chatterjee Road formed out of 7, Gopal Chatterjee Road, P.S. Cossipore, Calcutta more particularly as per deed No. 4680 of 1977,

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54. Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Date: 17-6-1978

(1) Sri Anadi Nath Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Ashutosh Das
2. Sm. Shefali Das
3. Sri Phanindra Nath Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th June 1978

Ref No. AC-16/Acq.R-IV/Cal/78-79.--Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104 situated at alt Charan Ghosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 12 chittaks 33 sft together with building thereon situated at 104, Kali Charan Ghosh Road, P.S. Cossipore, Calcutta, more particularly as per deed No. 4935 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date · 17-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhabesh Chandra Mitra 11/48 Panditia Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Maghi devi & others All of 34 Vivekananda Road

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd June 1978

Ref. No. 406/Acq.R-III/Cal/78-79.—Whereas, I, KISHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1 situated at Notaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Officer at Calcutta on 8-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land admeasuring 15 cottahs 2 chittacks with hutments thereon situated at 269/1, Netajl Subhas Road, Calcutta as per deed no. I 4719 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed
Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date: 23-6-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Tulsi Charan Roy Vill.: Makua P.O. Sankraıl, Distt. Howrah.

(Transferor)

(2) Shri Manasha Ram Bhattacharyya 113A, Arabinda Sarani, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 27th June 1978

Ref. No. 407/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 129A situated at Arabindra Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land admeasuring 5.5. cottahs more or less together with one storied structures erected thereon at premises No. 129A. Arabinda Sarani, P. S. Shyampukur, Calcutta as per deed No. 14938 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafl Ahmed'
Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date: 27-6-78

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ret No. RAC. No. 54/78-79.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinakesh S/o Inte Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 6. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, 'all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Dollu. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kallesh Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sti ailash Charan, H. No. 8-2-626/6 at Road No. I Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 10 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2978/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Rcf. No. RAC. No. 55/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. land situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o later Air Vice Matshal, M. M. Shrinagesh; 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Mrs. Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Huttog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg. New Defh. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-61. Abod Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri B. Vardha Reddy and Smt. B. Padmini Devi, 3. Smt. K. Shadaja Reddy, 1 Smt. G. Manjula Reddy, 5. Sri B. Sudhashchander Reddy, C/o. Bashirbagh, Hyderabad, (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 652 sq. yds. registered vide Document No. 2966/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 56/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. of land situated in premires No 3-5-874 at Hyderguda,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o later Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. I.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Miss Lella M. Shrinagesh, 8. Mis. Shakuntala M. Hartoz, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all res.ding at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delh. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8 612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1. No. 1.

(Transferors)

(2) Sri B. Subhashan Reddy, S/o B. Agareddy, Advocate, H. No. 3-5-170-A Narayanguda, Hyderabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2963/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

Sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 57/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4 situated in premises No 3-5 874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

16—156GE/78

- (1) 1: Sri Mahadev Srinagesh S/o later Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Miss Kamada S. 7. Miss Ieila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by purtner Sri Kallash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.
 - (Transferors)
- (2) Smt. J. Revathi, W/o Sri J. Venkateswar Reddy, H. No. 6-3-550/2 at Punjagutta, Hyderabad-4. (Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 4 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 410 Sq. Yds. registered vide Document No. 2977/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No 58/78 79.--Whereas, I, K. S. VINKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 12-A vituated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

liyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Mr. Malati Shrinagesh, 6. Mis. Kanada S., 7. Miss Leifa M. Shrinagesh, 8. Mis. Shakuntala M. Hartog, 9. Mis. Ahalya Bat M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihai, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad Rep. by partner Shri Kailash Charan, H. No. 8 2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1. No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Kishan Kumar Agarwal, H. 5-4-334 at No. Mozamjahia Road, Hyderabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 12-A in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring, registered vide Document No. 2961/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VEŃKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-6-1978 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Rcf. No. RAC. No. 59/78-79.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 & 12

situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Regist.

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihai, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Ghousuddin Ahmed, H. No. 22-1-948 at Sultanpura, Hyderabad.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 11 & 12 the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2959/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No. 60/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot No. 9 situated in premises No. 3 5-874 at Hyderguda, Hyderabad

Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Regist.

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Shri Mahabir Pershad, H. No. 8-2-626/6 at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 9 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2971/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 61/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (Hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12-A situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or ~
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34. Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5 8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailush Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Kesarimal Karwa and Dr. Gattulal Karwa, C/o Whole sale cloth Merchant, Karcemnagar.

(Transferens)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. I in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2970/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No. 62/76-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said' Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Sti Mahadev Stinagesh S/o late Air Vice Marshal M. M. Shrinagesh, 2. Sti Ashok Shtinagesh, 3. L.H. of late Gen, S. M. Shrinagesh, 4. Sti J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mis. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mis. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34 Vasant Value Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferois)

 Sri V. Veerareddy, H. No. 1-8-453 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 5 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2969/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 63/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Registrar

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marchal, M. M. Shrinagesh, 2. Shri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss. M.d.di Shrinagesh, 6. Miss. Kamada S., 7. Miss Leda M. Shrinagesh, 8. Miss. Shakuntala M. Hartog, 9. Miss. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vibra, Vasant Marg. New Delhi, 10. M/s. Smarg. Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Smt. G. Ahalya, W/o Sri G. Vecrateddy, H. No. 19/3-RT, CIB, Quarters Barkatpura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 3 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2968/77 with the Joint Sub-Registrai Hyderabad.

K. S. VFNKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 64/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar,

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Shri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mis Kamada S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Smt. Manoramma, W/o Sri Ramniklal Kamdar, H. No. 1-8-44/3/1 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 2 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2967/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Rel. No. RAC. No. 65/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKA-TARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—156GI/78

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Shri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mis Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bam. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihai. Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Smt. P. Vijayalaxshmi Reddy, W/o P. Mahendra Reddy, H. No. 5-3-847 at Mozamjahi Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the 'said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 8 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2965/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 66/78-79,—Whereas, I, K. S. VENKATRAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. of land situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mis. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kallash Charan. H. No. bad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road Road No. 1.

(Transferors)

(2) Dr. Mahmood Sultana, W/o Dr. Mohd. Ibrahim, H. No. 3-5-855/3 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open plot of land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 335 sq. yds. registered vide Document No. 2964/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKTARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad,

Date . 14-6-1978 Scal:

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Rcf. No. RAC. No. 67/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 15 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Sri Mahadev Shrinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Dr. G. Sulochana W/o Dr. G. Ramakrishnareddy, H. No. 3-5-1093/A-18 at Venkateshwara Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 15 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2962/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKTARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date . 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 68/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Ño. 14 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L. H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Amarnath Agarwal, C/o Jain Pharmacy, Medical Hall, at Siddiember Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 14 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2960/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 14-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 76/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-1-113/A situated at X-cross Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 13-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri R. Krishna Reddy, H. No. 1-1-113/A at Charminar Cross Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Somanath, S/o Sri P. Mahindranath, H. No. 2-1-527/5 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-1-113/A at Charminar Cross Road, Double storied building, registered vide Doc. No. 2772/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-6-1978

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Syed Altaf Hussain, 2. Srl Syed Ahmed Hussain both residing at H. No. 5-1-437 at Jambagh, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Rajaram S/o Ishwardas, 5-8-56/57 at Nampally, Station Road, Hyderabad.
 Suresh Kumar S/o Ishwardas, 5-8-56/57 at Nampally, Station Road, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 77/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 in S. No. 206 situated at New M.L.A. Quarters, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hyderabad on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, the respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of open land No. 1 on S. No. 206 admeasuring 400 Sq. Yds. situated at New M.L.A. Quarters, Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2927/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 80/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-6-802/1/B/1 situated at Red Hills, Red Hills

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth- tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sher Banu Sajanlal Saheba W/o Sri Janab Jalaluddin Sajanlal Saheb, H. No. 11-6-862/1 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Gulam Mohammed Saheb H. No. 11-4-643/ A.C. Guards Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western side First floor flat No. 11-6-862/1-B-1, admeasuring 1176 Sq. fts. situated at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2773/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 17-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 81/78-79,---Whereas, I, K. S. VFNKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Portion of 6-3-580 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad in October 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assats which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sfi 1. Mohd. Shoukatullah, 2. Mohd. Hashmatullah, 3. Ameena Begum, 4. Smt. Zaiab Begum, 5. Smt. Waheed Begum R/o S. No. 1 to 3 H. No. 6-3-580 Khairtabad, Hyderabad. S. No. 4 H. No. 19-2-81 at Khaja Pahadi, Hyderabad S. No. 5 20-2-479 Johargalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Sayeed Ali Adal, H. No. 23-2-313 at Moghalpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of House No. 6-3-580 situated at Khairtabad Hyderabad, admeasuring 856 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2454/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Sri Sayeed Ali Adal, H. No. 23-3-313 Mogalpura, Hyderabad.

S/Sri Mohd Shoukatullah, 2. Mohd. Hashmatullah,
 Smt. Ameera Begum, 4. Smt. Zainab Begum,
 Smt. Waheed Begum, R/o H. No. 6-3-580

Khairtabad, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC No. 82/78-79.--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion 6-3-580 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairtabad on October 77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

18-156 GI/78

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 6-3-580 situated at Khairtabad Hyderabad, admeasuring 935 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2455/77 in the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 17-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 83/78-79.—Whereas, I K. S. VENKA-TARAMAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion 121/A situated at Park lane, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

(1) Sri Haji Ghulam Mohammed, H. No. 1-7-330 Park lane Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Mutyala Chinna Srlsailam, 2. M. Baleshwar, 3. M. Malleshwar, 4. M. Rameshwar, 5. M. Srinivasa, Vendees No. 3, 4 and 5 being minors represented by their father and natural guardian Sri M. Chinna Srlsailam, all residing at No. 1520 Naka Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Building No. 121/A (M.C. No. 1-7-329, 330, 331, 332, 336, and 337 situated at Park lane, Secunderabad admeasuring 565 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1687/77 with the sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-6-1978

==

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DÉLHI-1(110001)

New Delhi-the 30th June 1978

Ref No. IAC/Acq. I/78-79/1591.—Whereas I, J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-494, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Kumar Mukerji s/o Sh. Satya Nand Mukerji r/o E1494, Greater Kailash-II, New Delhj.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar and Rajesh Kumar s/o Sh. H. R. Nanda r/o J-27, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. E-494 built on a plot of land measuring 550 sq. yds. in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi & bounded as under:—

East: Plot No. 492 West: Plot No. E-496

North: Road South: Road

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date: 30-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITIN RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1978

Ref. No. ASR/19/78/79.—Whereas, I, H. S. DHURIA, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

shops, situated at Farid Da Chowk Gali Arroria, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in October 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Parkash s/o Shri Devi Parshad Razdan and Shri S. P. Razdan self and wasiyat Mukhtar Khas in Janab Shri Baldev Parsad Razdan.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Lal s/o Shri Pala Ram Kt. Ghanyan, Haveli Sardar Aroor Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shops Farid da Chowk, Gali Arroria, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 2369 of October 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

H. S. DHURIA, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 13-6-1978